मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
हर खबर निष्पक्षता के साथ
मुंबई
वर्ष: 6 अंक 137
बुधवार, 29 नवम्बर 2023
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshakti.in

उत्तराखंड के सिलक्यारा टनल में फंसे सभी जांबाज 41 मजदूरों को निकाला सुरक्षित

17 दिन तक रेक्यू टीम के सफल ऑपरेशन से देशवासियों में खुशी

उत्तरकाशी , 28 नवम्बर। उत्तराखंड के उत्तरकाशी की सिलक्यारा टनल में चल रहा रेस्क्यू ऑपरेशन सफल हुआ है। टनल में फंसे मजदूरों को बाहर निकाल लिया गया है। गौरतलब है कि इस टनल में 41 मजदूर फंसे हुए थे, जिन्हें बाहर निकालने के लिए बीते 16 दिन से रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा था।

आज रेस्क्यू ऑपरेशन का 17वां दिन है और मजदूरों को टनल से बाहर निकाला गया है। देशभर की नजर इस रेस्क्यू ऑपरेशन पर थी और पीएम मोदी खुद पल-पल का अपडेट ले रहे थे।सिलक्यारा टनल उत्तरकाशी जिला मुख्यालय से करीब 30 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। 12 नवंबर को इस टनल का एक हिस्सा गिर गया था, जिससे मजदूर टनल के अंदर ही फंस गए थे। इस रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान तमाम बड़ी मशीनें फेल होती नजर आईं लेकिन रैट माइनर्स ने काफी कमाल दिखाया। ऑगर मशीन, वर्टिकल ड्रिलिंग, रैट माइनर्स की सहायता से इस रेस्क्यू ऑपरेशन को अंजाम दिया गया। इस दौरान खुदाई करके पाइप डाले गए। रेस्क्यू के दौरान एक समय ऐसा भी आया, जब अमेरिकी ऑगर मशीन भी फंस गई और फिर रैट माइनर टीमों ने वहीं से मैन्युअल ड्रिलिंग शुरू की। इन लोगों ने आगे की खुदाई हाथ से की, जिसके लिए इनके पास हथौड़ा, साबल और खुदाई करने वाले कई टूल्स थे। रेट माइनिंग का एक तरीका है जिसका इस्तेमाल करके संकरे क्षेत्रों से कोयला निकाला जाता है। 'रैट-होल' टर्म जमीन में खोदे गए संकरे गड्ढों को दशार्ता है। यह गड्ढा आमतौर पर सिर्फ एक व्यक्ति के उतरने और कोयला निकालने के लिए होता है। एक बार गड्ढे खुदने के बाद माइनर या खनिक कोयले की परतों तक पहुंचने के लिए रस्सियों या बांस की सीढ़ियों का उपयोग करते हैं। फिर कोयले को गैंती, फावड़े और टोकरियों जैसे आदिम उपकरणों का इस्तेमाल करके मैन्युअली निकाला जाता है।

न्याय तक समान पहुंच की राह में अंग्रेजी भाषा व खर्च बड़ी बाधा : राष्ट्रपति

नई दिल्ली, 28 नवम्बर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने मंगलवार को कहा कि उच्चतर न्यायपालिका में अंग्रेजी का इस्तेमाल और वहां का खर्च न्याय तक समान पहुंच की राह की बड़ी बाधा हैं। उन्होंने इन बाधाओं को दूर करने पर जोर दिया। वे यहां 'कमजोर लोगों के लिए गुणवत्तापूर्ण कानूनी सहायता तक पहुंच सुनिश्चित करनाः ग्लोबल साउथ में चुनौतियां और अवसर' विषय पर आयोजित सम्मेलन को संबोधित कर रही थीं।उन्होंने खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों और सामाजिक रूप से वंचित समूहों के लोगों के बीच जागरूकता अभियान शुरू करने की आवश्यकता पर बल दिया ताकि उन्हें उनके अधिकारों से अवगत कराया जा सके।उन्होंने कहा कि समानता न सिर्फ न्याय की बुनियाद है, बल्कि उसकी एक जरूरी शर्त भी है। बहुत समय हो गया जब दुनिया ने यह घोषणा की थी कि सभी मनुष्य समान हैं, लेकिन हमें खुद से पूछने की जरूरत है कि क्या हम सभी को वास्तव में न्याय तक समान पहुंच प्राप्त है?

राष्ट्रपति ने कहा कि इसका मतलब यह है कि काफी संख्या में लोग कई कारणों की वजह से अपनी शिकायतों के निवारण में असमर्थ होते हैं। उन्होंने कहा कि हमारा प्रमुख काम उन अवरोधकों को हटाना है। स्वाभाविक रूप से सबसे बड़ा अवरोधक अक्सर न्याय प्राप्त करने पर आने वाला खर्च है।उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) द्वारा उठाए गए कदमों ने भी कानूनी सहायता के विस्तार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि कुल मिलाकर उद्देश्य न्याय प्राप्त करने में सहूलियत को बढ़ाना है, लेकिन मुझे लगता है कि लोगों के बीच जागरूकता अभियान शुरू करने की जरूरत है। न केवल उन्हें उनके अधिकारों के प्रति सचेत किया जाए, बल्कि उन्हें आवश्यकता पड़ने पर कानूनी सहायता दिलाने में भी मदद की जाए।उन्होंने कहा कि भारत में उच्चतर न्यायपालिका की भाषा अंग्रेजी है, जिससे समाज के एक बड़े वर्ग के लिए न्यायिक प्रक्रियाओं को समझना मुश्किल हो जाता है। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने अपनी वेबसाइट पर विभिन्न क्षेत्रीय भाषाओं में फैसले प्रकाशित करना शुरू कर दिए हैं। कानूनी सहायता संस्थान भी भाषाई अंतर को पाटने में मदद करते हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी कानूनी सहायता तक पहुंच को और अधिक लोकतांत्रिक बनाने में बहुत बड़ी भूमिका निभाती है।चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि कई देशों के शीर्ष न्यायाधीश इस बात पर सहमत हैं कि कानूनी सहायता का अधिकार जल्द से जल्द लागू होना चाहिए।

इसरो को मिली बड़ी कामयाबी, एस्ट्रोसेट ने 600 से अधिक गामा-किरण विस्फोटों का पता लगाया

नई दिल्ली, 28 नवम्बर। भारत की एस्ट्रोसेट अंतरिक्ष दूरबीन ने 600 से अधिक गामा किरण विस्फोटों (जीआरबी) का पता लगाया है। एस्ट्रोसेट के कैडमियम जिंक टेलुराइड इमेजर (सीजेडटीआई) डिटेक्टर ने 22 नवंबर को 600वें जीआरबी का पता लगाया गया था। इसके बाद से सीजेडटीआइ ने तीन और ऐसी घटनाओं का पता लगाया है जिनमें नवीनतम जीआरबी का सोमवार को पता लगाया गया।

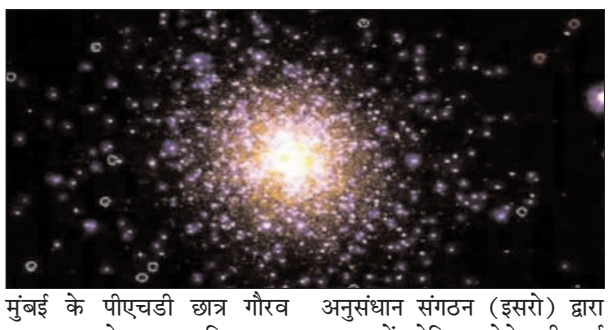

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) मुंबई के एसोसिएट प्रोफेसर वरुण भालेराव ने कहा, एस्ट्रोसेट ने जो हासिल किया है उस पर हमें गर्व है। जीआरबी अध्ययन का नेतृत्व करने वाले आइआइटी मुंबई के पीएचडी छात्र गौरव वरातकर ने कहा कि लघु महाविस्फोट (मिनी बिग-बैंग्स) कहे जाने वाले जीआरबी ब्रह्मांड में होने वाले विस्फोट हैं, जो सूर्य द्वारा अपने पूरे जीवनकाल में उत्सर्जित की जाने वाली ऊर्जा से अधिक ऊर्जा मात्र कुछ सेकंड में उत्सर्जित करते हैं।

बता दें कि भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) द्वारा 2015 में प्रक्षेपित एस्ट्रोसेट की कार्य अवधि पांच साल के लिए निर्धारित थी, लेकिन यह अभी भी सक्रिय है। यह भारत की पहली बहु-तरंगदैर्ध्य अंतरिक्ष वेधशाला है, जो पराबैंगनी से एक्स-रे तक विभिन्न तरंगदैर्ध्य में खगोलीय पिंडों का एक साथ अवलोकन करने के लिए पेलोड से लैस है।

तेलंगाना में खत्म हुआ चुनावी प्रचार का शोर, 30 नवंबर को डाले जाएंगे 119 सीटों पर वोट

तेलंगाना, 28 नवम्बर। राज्य में मतदान से दो दिन पहले, तेलंगाना में राजनीतिक दलों के लिए प्रचार अभियान आज समाप्त हो गया। मुख्य निर्वाचन अधिकारी विकास राज ने कहा कि तेलंगाना विधानसभा चुनाव 2023 के लिए 30 नवंबर को निर्धारित मतदान दिवस के लिए सभी व्यवस्थाएं पूरी हो गई हैं। आगामी चुनावों के लिए 2,290 प्रतियोगी मैदान में हैं, जिनमें बीआरएस सुप्रीमो और मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव, उनके मंत्री-बेटे केटी रामा राव और भाजपा के लोकसभा सदस्य बंदी संजय कुमार, डी अरविंद और सोयम बापुराव शामिल हैं। चुनाव आयोग द्वारा 9 अक्टूबर को कार्यक्रम की घोषणा के बाद राज्य में आदर्श आचार संहिता लागू

हो गई। राज्य में 3.26 करोड़ पात्र मतदाता हैं। सीईओ के अनुसार, पूरे राज्य में सीआरपीसी की धारा 144 के तहत निषेधाज्ञा लागू कर दी गई है। बीआरएस ने सभी 119 सीटों पर उम्मीदवार उतारे हैं। सीट बंटवारे के समझौते के अनुसार, भाजपा और जन सेना क्रमशः 111 और 8 सीटों पर चुनाव लड़ रही हैं, जबकि कांग्रेस ने अपने सहयोगी सीपीआई (एम) को एक सीट दी है। असदुद्दीन ओवैसी के नेतृत्व वाली एआईएमआईएम ने शहर में नौ क्षेत्रों में उम्मीदवार खड़े किए हैं। बीआरएस लगातार तीसरी बार सत्ता बरकरार रखने की कोशिश कर रही है, जबकि कांग्रेस उससे सत्ता छीनने के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगा रही है। सत्ता तक पहुंचने के लिए बीजेपी ने कोई कसर नहीं छोड़ी है। केसीआर दो क्षेत्रों-गजवेल और कामारेड्डी से चुनाव लड़ रहे हैं और रेवंत रेड्डी कोडांगल और कामारेड्डी से भी चुनाव लड़ रहे हैं। भाजपा ने अपने विधायक एटाला राजेंदर को हुजूराबाद के अलावा गजवेल से मैदान में उतारा, जहां वह मौजूदा विधायक हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रचार अभियान के दौरान कई सभाओं को संबोधित किया, इसके अलावा सोमवार को भारी धूमधाम के बीच हैदराबाद में एक रोड शो किया, जबकि केसीआर ने 96 चुनावी रैलियों में भाग लिया। पीएम मोदी के अलावा, राजनाथ सिंह और अमित शाह सहित कई केंद्रीय मंत्रियों और कांग्रेस नेता मल्लिकराजुन खड़गे और राहुल गांधी ने अपनी-अपनी पार्टी के उम्मीदवारों के लिए वोट मांगे।

बच्चे स्कूल में क्या पढ़ें, तय करना सरकार का काम है: सुप्रीम कोर्ट

शिक्षा से जुड़ी याचिका पर सीजेआई की टिप्पणी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने एक याचिका की सुनवाई में कहा है कि बच्चों को स्कूलों में क्या पढ़ाया जाना चाहिए और क्या नहीं, इस बात का निर्देश हम नहीं दे सकते. कोर्ट ने कहा है कि इस विषय पर सरकार को विचार करने की जरूरत होनी चाहिए. कोर्ट ने बच्चों को स्वास्थ्य संबंधी शिक्षा देने की मांग करने वाली एक याचिका पर सुनवाई के दौरान ये बातें कही है. कोर्ट ने कहा कि बेहतर होगा याचिकाकर्ता अपनी मांग का ज्ञापन सरकार को दें.

याचिकाकर्ता ने अपनी याचिका में यह मांग की थी कि हाल के समय में हार्ट अटैक से मौत के बढ़ते मामलों को देखते हुए स्कूलों में बच्चों को हृदय रोग संबंधी शिक्षा दी जानी चाहिए. आपातकालीन स्थिति में सीपीआर के जरिए मरीज की सहायता कैसे की जाए, इसकी भी मांग की गई थी. लेकिन कोर्ट ने इस पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया. सीजेआई ने कहा कि बच्चे क्या पढ़ें, यह हम तय नहीं कर सकते. हाल के समय में कई ऐसी खबरें सामने आई हैं जहां बच्चे हार्ट अटैक के शिकार हुए हैं. इसी साल पिछले सितंबर माह में लखनऊ के सिटी मांटेसरी स्कूल में नौवीं कक्षा के एक छात्र की अचानक मौत हो गई थी. उस छात्र की मौत को भी हार्ट अटैक से मौत माना गया था. इसी तरह अक्टूबर के महीने में राजस्थान के बीकानेर में एक मासूम की देखते ही देखते तबीयत खराब हुई और उसकी मौत हो गई. इस तरह के कई और मामले देखे गए हैं. सीपीआर का फुल फॉर्म है- कार्डियो पल्मोनरी रिससिटेशन. यह इलाज की एक पद्धति है जो कि दिल के दौरे या दिल की अन्य बीमारियों से जुड़ी गंभीर आपातकालीन स्थितियों में जीवनरक्षक उपचार के तौर पर मान्य है. इस प्रक्रिया के जरिये कार्डिएक अरेस्ट की स्थिति में मौके पर तत्काल उपचार किया जाता है. इस प्रक्रिया से फेफड़ों में ऑक्सीजन प्रदान किया जाता है.

सीपीआर से ब्लड सकुर्लेशन में मदद मिलती है. इस विधि का अच्छी तरह से उपयोग करने पर मरीज की जान खतरे से बाहर आ जाती है. सीपीआर दिल की धड़कन रुकने से छह मिनट के भीतर ही करना होता है, लिहाजा बकायदा इसकी ट्रेनिंग की जरूरत होती है. इसमें विशेष सावधानी की दरकार होती है। यह सावधानी प्रशिक्षण से सीखी जा सकती है।

दिल्ली-एनसीआर की हवा में सुधार, हटाई गईं पाबंदियां, फिर शुरू हो सकते हैं उद्योग

नई दिल्ली, 28 नवम्बर। दिल्ली में वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने मंगलवार को वायु गुणवत्ता सूचकांक में सुधार के कारण दिल्ली-एनसीआर में जीआरएपी चरण-क्क्क प्रतिबंधों को तत्काल प्रभाव से हटाने का आदेश दिया है। सीएक्यूएम ने बताया कि जीआरएपी चरण-की वापसी के साथ, दिल्ली में निर्माण-विध्वंस परियोजना स्थलों और उद्योग संचालन फिर से शुरू कर सकते हैं। सीएक्यूएम ने यह भी कहा कि पूवार्नुमानों से यह संकेत नहीं मिलता कि दिल्ली की औसत वायु गुणवत्ता आने वाले दिनों में गंभीर श्रेणी में पहुंच जाएगी। राष्ट्रीय राजधानी तथा इससे सटे इलाकों में पश्चिमी विक्षोभ के कारण हुई बारिश तथा हवा की अनुकूल गति की वजह से वायु गुणवत्ता में मामूली सुधार हुआ। शहर के प्राथमिक मौसम केंद्र सफदरजंग वेधशाला ने सोमवार रात साढ़े आठ बजे तक 7.2 मिमी बारिश दर्ज की। मंगलवार को भी कई इलाकों में बारिश दर्ज की गई है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के एक अधिकारी ने कहा कि हवा की गति सुधरकर 20 किलोमीटर प्रति घंटा हो गई, जिससे प्रदूषक तत्वों के बिखराव में मदद मिली। राष्ट्रीय राजधानी में नवंबर, 2023 में अब तक 10 दिनों में वायु गुणवत्ता गंभीर श्रेणी में रही है। शहर में पिछले वर्ष नवंबर में ऐसे केवल तीन दिन थे जबकि वर्ष 2021 में इस तरह के 12 दिन दर्ज किए गए जो केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) द्वारा निगरानी शुरू करने के बाद सबसे अधिक है।

रेलवे में फेरीवालों को समान बेचने का होगा विरोध : मनसे विधायक राजू पाटिल

कल्याण(उत्तरशक्ति)। केंद्र सरकार ने रेलवे स्टेशन और ट्रेनों में फेरीवालों (हॉकरों) को सामान बेचने की अनुमति देने का फैसला किया है, जिसका विरोध होना शुरू हो गया है। कल्याण ग्रामीण विधानसभा के एमएनएस विधायक राजू पाटील ने मध्य रेलवे के महाप्रबंधक को पत्र लिखकर कहा है कि पहले ही यात्रियों को लोकल में चढ़ने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ती है। ऐसे में अगर फेरीवालों को घुसने की अनुमति दे दी गई तो यात्रियों की मुसीबतें और बढ़ जाएगी। इसलिए विधायक पाटील ने हॉकरों को अनुमति नहीं देने की मांग रेल प्रशासन से की है।

बतादें कि इस साल केंद्रीय बजट में घोषित 'एक स्टेशन एक उत्पादन' नीति के तहत रेलवे का लक्ष्य प्रत्येक स्टेशन पर स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देना है। भारतीय रेल फेरीवालों को अपना माल बेचने के लिए सजावटी गाड़ियां और गुमटियां भी उपलब्ध कराए जाने की योजना बनाई जा रही है। उत्पादनों में से हस्तशिल्प और घरेलू सामान से लेकर सजावटी सामान तक बेचे जा सकेंगे। एमएनएस विधायक राजू पाटील ने इसका विरोध करते हुए कहा कि इससे रोजगार कम अवैध तत्वों को ज्यादा बढ़ावा मिलेगा। पाटील ने यह भी कहा कि मौजूदा हालात में पहले से ही स्टेशन परिसर में फेरीवालों का जमावड़ा लगा हुआ है। यदि रेल प्रशासन ने लोकल में फेरीवालों को अनुमति दे दिया तो यात्रियों के लिए सिरदर्द बन जाएगा। उन्होंने इस निर्णय को वापस लेने की मांग करते हुए कहा कि यदि निर्णय वापस नहीं लिया गया, और बाद में यात्रियों को परेशानी हुई तो एमएनएस चुप नहीं बैठेगी।

मसाला-एक्शन से भरपूर सपा की आम चुनाव वाली स्क्रिप्ट

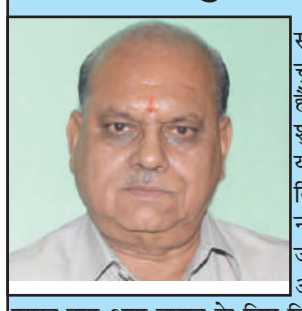

समाजवादी पार्टी उत्तर प्रदेश विधान सभा में अगले वर्ष होने वाले लोकसभा चुनाव की स्क्रिप्ट तैयार कर रही है.आज 28 नंवबर को बजट सत्र की शुरूआत होते ही सपा प्रमुख अखिलेश यादव और उनके पीछे-पीछे उनके विधायक और पूरी पार्टी चुनावी मोड में नजर आये. अखिलेश ने जातीय जनगणना कराये जाने की मांग के सहारे अपने मंसूबे जाहिर कर दिये. सपा प्रमुख द्वारा आम चुनाव के लिए लिखी जा रही स्क्रिप्ट में जहां जातीय जनगणना को राजनैतिक हवा दी जा रही है,वहीं अखिलेश यादव पूर्व प्रधानमंत्री और यूपी के मांडा के राजा स्वर्गीय वीपी सिंह को भी अपनी राजनीतिक का ह्यहथियारह्न बनाने में लगे हैं.जिसकी पृष्ठभूमि यूपी से कोसों दूर तमिलनाडु में लिखी जा रही है.जहां चेन्नै के एक कालेज में पूर्व पीएम की प्रतिमा के अनावरण के मौके पर हिन्दी के मुखर विरोधी तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन के साथ सपा प्रमुख अखिलेश यादव पूर्व पीएम वीपी सिंह की शान में कसीदे पढ़ते नजर और कहा कि प्रतिमा के अनावरण से 2024 के लोकसभा चुनाव मसे पहले पूरे देश में एक स्पष्ट संदेश गया है.गौरतलब हो तमिलनाडु में सत्तर के दशक से ही ओबीसी आरक्षण पर सियासत होती रही है.वीपी सिंह की प्रतिमा के अनावरण के मौके पर अखिलेश यादव को भले लग रहा हो कि इससे पूरे देश में एक खास तरह का संदेश जायेगा,परंतु यहां यह नहीं भूलना चाहिए कि आज अखिलेश जिन पूर्व पीएम वीपी सिंह की याद में कसीदे पढ़ रहे है,उनसे मुलायम सिंह यादव का छत्तीस का आकड़ा था.नेताजी की नजरों में वीपी सिंह पिछड़ा समाज के खूनी दुश्मन थे.

इसकी वजह भी थी,जिसकी बुनियाद अस्सी के दशक में उस समय पड़ी थी,जब वीपी सिंह उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री थे.इसी दौरान वीपी सिंह के एक भाई पूर्व न्यायाधीश को डकैतों ने बरगढ़ के जंगल में घेर कर मार दिया था. इसके बाद वीपी ने यूपी को दस्यु मुक्त करने के लिए बड़े स्तर पर दस्यु उन्मूलन अभियान छेड़ .इस अभियान के दौरान पुलिस ने दस्यु जनक सिंह,कांता सिंह जैसे डकैतों को मौत के घाट उतार दिया था.कई डकैतों को जेल जाना पड़ा था. इस अभियान के दौरान कई नामी बदमाशों को भी जेल की सलाखों के पीछे पहुंचा दिया गया था. जिससे नेताजी मुलायम सिंह काफी नाराज थे.वह साफ कहते थे राजा मांडा दस्यु उन्मूलन अभियान के नाम पर पिछड़ों की हत्याएं करा रहे हैं. मुलायम सिंह यादव ने दस्यु उन्मूलन के नाम पर पिछड़े वर्ग के युवाओं को पुलिस एनकाउंटर में मारे जाने को ऐसा मुद्दा बनाया कि कांग्रेस को बैकफुट पर आना पड़ा और अंततः वीपी सिंह को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा भी देना पड़ा. वीपी सिंह यूपी की नौकरशाही और कांग्रेस की प्राणघातक आंतरिक गुटबाजी से अज्ञात थे. मुलायम सिंह ने इन्हें अपने औजार के रूप में इस्तेमाल किया था.

वीपी सिंह और मुलायम के बीच कड़वाहट इतनी ज्यादा थी कि वीपी के कांग्रेस छोड़ने के बाद भी उनके मुलायम सिंह के साथ रिश्ते सामान्य नहीं हो पाए. जब अमिताभ बच्चन के त्यागपत्र से रिक्त हुई इलाहाबाद लोकसभा सीट से वीपी सिंह संयुक्त विपक्ष के उम्मीदवार बने तो मुलायम सिंह के नाकारात्मक रुख का एहसास उन्हें निरंतर होता रहता था.इसके पीछे मुलायम सिंह की बड़ी सियासी महत्वाकांक्षा भी काम कर रही थी,मुलायम को लगता था कि मुख्यमंत्री पद के लिए उन्हें(मुलायम सिंह) वीपी सिंह खेमे के अधिकांश विधायकों का समर्थन मिला हुआ है.फिर भी वह सीएम नहीं बन पा रहे हैं. इसी तरह से अयोध्या-राम जन्म भूमि विवाद को सुलझाने के लिए वीपी सिंह द्वारा किए जा रहे प्रयासों को भी मुलायम सिंह संदेह की दृष्टि से देखते थे. उन्हें हमेशा लगता रहता था कि पर्दे के पीछे वीपी सिंह उन्हें अपदस्थ करने के प्रयासों में लगे हैं. राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता का यह भी परिणाम हुआ कि अपनी सियासत बचाने के लिए वीपी सिंह और मुलायम को समझौता भी करना पड़ा,फिर भी समझौते के लिए किए गए सार्थक और पारदर्शी प्रयासों में भी दोनों को षड्यंत्रों की बू आती थी.शायद अब यह बातें समाजवादी पार्टी के मौजूदा नेतृत्व अखिलेश यादव के लिए कोई मायने नहीं रखती होंगी.इसी लिए वोट बैंक की सियासत में उन्हें मंडल की आग में पूरे देश को झुलसा देने वाले पूर्व पीएम वीपी सिंह ओबीसी के रहनुमा नजर आ रहे होंगे. खैर, पहले बात उत्तर प्रदेश विधान सभा में समाजवादी पार्टी की रवैये की कि जाये तो बजट सत्र के दौरान अखिलेश ने मीडिया से रूबरू होते हुए साफ शब्दों में कहा जातीय जनगणना के बगैर सामाजिक न्याय नहीं हो सकता है. 2024 के लोकसभा चुनाव में भी यह बड़ा मुद्दा रहेगा. योगी सरकार नहीं चाहती कि हम जनता के सवाल उठाएं. यह सरकार विपक्ष का सामना नहीं करना चाहती है. इसीलिए शीतकालीन सत्र कम दिनों का रखा गया ताकि सदन में चर्चा न हो सके. सरकार विपक्ष के सवालों से बचना चाहती है.गौर करने वाली बात यह भी रही कि सपा विधायक सत्र के पहले दिन काले कपड़ों में विधानसभा पहुंचे थे. अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि योगी सरकार विपक्ष के सभी सवालों का जवाब दे, जबकि इसी से लोकतंत्र मजबूत होगा. जनता की तमाम समस्याओं के लिए सरकार क्या कर रही है, इससे उन्हें पता चलेगा. अखिलेश ने आरोप लगाया कि यह सरकार युवाओं को रोजगार नहीं दे रही है.बिजली महंगी है. आवारा जानवर सड़क पर घूम रहे हैं. अभी तक धान खरीदने का कोई इंतजाम नहीं किया गया है.

बहरहाल, बात सपा विधायक सत्र के पहले ही दिन काले कपड़ों में विधानसभा पहुंचने की कि जाये तो दरअसल इस बार विधायक विधानसभा में मोबाइल फोन वगैरह साथ नहीं ले पा रहे हैं. इसके विरोध में समाजवादी पार्टी ने योगी सरकार के खिलाफ आक्रामक रुख अपनाया है. सरकार के खिलाफ प्रदर्शन करने के लिए ये लोग काले कपड़े पहनकर विधानसभा पहुंच गए. विरोध का यह सिलसिला आगे भी थमने वाला नहीं नजर आता है. बस कुछ तरीका बदल सकता है, परंतु विरोध की आग तो सुलगती रही रहेगी.जातीय जनगणना ऐसा मुद्दा है जिसे हथियाने की होड़ में तमाम क्षेत्रीय दलों के साथ-साथ कांग्रेस भी ताल ठोक रही है. इसी लिए बिहार से लेकर यूपी और तमिलनाडु सहित कई राज्यों में यह आग बढ़ती जा रही है. लब्बोलुआब यह है कि भारतीय जनता पार्टी को आम चुनाव में छूल चटाने के लिए समाजवादी पार्टी कोई कोरकसर नहीं छोड़ना चाहती है. अखिलेश यादव वह सभी ऐसे दांव अजमा रहे हैं जिससे सपा को लोकसभा चुनाव में फायदा मिल सकता है.कुल मिलाकर सपा द्वारा आम चुनाव के लिए तैयार की जा रही चुनावी स्क्रिप्ट में एक्शन और मसाला दोनों नजर आ रहे हैं.

-अजय कुमार

टाटा टी 'गोल्ड विटा-केयर' लॉन्च

मुंबई। भरपूर धूप के बावजूद, भारत में विटामिन की कमी गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्या है। व्यस्त शहरी जीवनशैली अधिकांश लोगों को घर के अंदर ही सीमित रखती है, जिससे वे विटामिन डी से वंचित हो जाते हैं और परिणामस्वरूप विभिन्न स्वास्थ्य संबंधी चिंताएं पैदा होती हैं। आपके दैनिक आवश्यक विटामिन सेवन का हिस्सा पाने के लिए रोजमर्रा का सुविधाजनक विकल्प प्रदान करने हेतु, देश के अग्रणी चाय ब्रांड टाटा टी ने टाटा टी गोल्ड वीटा-केयर पेश किया है, जो आवश्यक विटामिन डी, बी 12, बी 6 और बी 9 से भरपूर चाय है। अनूठे स्वाद वाले टाटा टी गोल्ड वीटा केयर के दो कप 4 आवश्यक विटामिन के दैनिक विटामिन सेवन का 30% प्रदान करते हैं, जो अब आपकी रोजमर्रा की चाय में उपलब्ध है।

पुनीत दास, प्रेसिडेंट, भारत-दक्षिण एशिया टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स, पैकेज्ड बेवरेजेज कहा, टाटा टी गोल्ड वीटा-केयर को लॉन्च किया जाना उपभोक्ता अनुभव को बेहतर बनाने और उनके स्वास्थ्य से जुड़ी अधूरी जरूरतें पूरा करने की हमारी प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है। स्पष्ट रूप से स्वस्थ आबादी का एक महत्वपूर्ण हिस्सा थकान, चयापचय और एकाग्रता से संबंधित चिंताओं से जूझ रहा है, और लंबे समय तक घर के अंदर रहने के चलते उनमें अक्सर विटामिन डी की कमी देखने को मिलती है। जबकि सप्लीमेंट्स के जरिए आहार में विटामिन को प्रभावी तरीके से शामिल किया जा सकता है, कई उपभोक्ता अपनी दैनिक जीवनशैली के अनुरूप अधिक सुविधाजनक और स्वादिष्ट प्रारूप के भी इच्छुक हो सकते हैं। टाटा टी स्वादिष्ट और रोजमर्रा के उपभोग योग्य पेय पदार्थों की सुविधा में स्वास्थ्य और कल्याण विकल्पों को आगे बढ़ाने के लिए नवाचारों को उपयोग में ला रहा है। टाटा टी गोल्ड वीटा-केयर टी के लॉन्च के साथ, हम रोजमर्रा का सुविधाजनक विकल्प लेकर आए हैं जो उपभोक्ताओं को एक दिन में 2 कप चाय पीने पर उनकी दैनिक आवश्यकता का 30% विटामिन डी, बी12, बी6, बी9 देगा। यह आपके दैनिक संतुलित आहार के हिस्से के रूप में अपने दैनिक चाय के कप का आनंद लेते हुए अपने आहार में विटामिन को शामिल करने का एक शानदार तरीका है।

तेलंगाना विधानसभा के चुनाव में कांग्रेस व भाजपा के चक्रव्यूह में फंफे केसीआर!

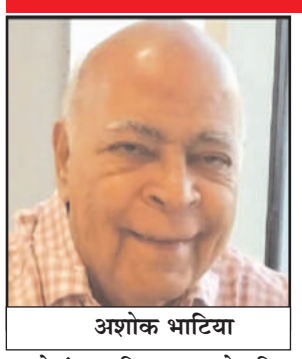

अशोक भाटिया

तेलंगाना विधानसभा के लिए चुनाव के प्रचार आखिरी घंटे दौर में है। 30 नवंबर को होने वाले मतदान के लिए सत्ताधारी बीआरएस , कांग्रेस और भाजपा ने एक-दूसरे के खिलाफ आक्रामक तेज कर दिया है। कोशिश तो शुरू से ही मुकाबले को त्रिकोणीय बनाने की रही है, लेकिन दोनों ही राजनीतिक विरोधियों के निशाने पर होने के बावजूद मुख्यमंत्री के। चंद्रशेखर राव का पूरा परिवार कांग्रेस और भाजपा से डट कर मुकाबला कर रहा है - नेताओं के भाषण सुन कर तो ऐसा ही लगता है।

भाजपा और कांग्रेस के आलावा केसीआर की एक लड़ाई चुनाव आयोग से भी लड़ी जा रही है, एक दूसरे की शिकायतें करके। ऐसी ही शिकायत के कारण चुनाव आयोग से केसीआर को बड़ा झटका लगा है। चुनाव आयोग ने केसीआर सरकार की रायतु बंधु योजना के तहत किसानों की दी जाने वाली नकद राशि पर रोक लगा दी है। चुनाव आयोग ने कुछ शर्तों के साथ रबी की फसल की किस्त के लिए बीआरएस सरकार को अनुमति दी थी। चुनाव आयोग की तरफ से साफ हिदायत थी कि योजना के महिमामंडन का काम चुनाव के दौरान नहीं होना चाहिये, लेकिन सुनता कौन है। रिपोर्ट बताती है कि राज्य के मंत्री अपने भाषण में इसका ऐलान कर रहे थे - और चुनाव आयोग ने सरकार को दी गयी अनुमति वापस रद्द कर दी।

दरअसल रायथु बंधु योजना किसानों को वित्तीय मदद देने से जुड़ी हुई है। रायथु का मतलब तेलुगु में किसान होता है। तो देखा जाए तो केसीआर सरकार की सीधे सीधे किसानों को मदद देने के लिए एक योजना है। इसमें सरकार प्रति एकड़ साल में दो बार ?5000 की किस्त रबी और खरीफ की फसलों के लिए हर किसान को देती है। तो अभी इस बार ये किस्त दी जानी थी। चुनाव की वजह से एक आरोप ये लग रहा है कि सरकार ने इस योजना के पैसों को देने में थोड़ा सा देर किया। उन्होंने कहा चुनाव के आसपास देंगे। लेकिन बीच में चुंकि डेढ़ दो महीने की एक आचार संहिता लग जाती है। तो पिछले दिनों उनके जो वित्त मंत्री थे टी हरीश राव, उन्होंने ऐलान किया कि 24 तारीख को हम किसानों को जो इस बार की जो किस्त है वो जारी करेंगे। इसके लिए उन्होंने बकायदा चुनाव आयोग से आज्ञा भी ली थी। चुनाव आयोग ने उनको परमिशन दे दी थी । लेकिन इसी बीच में जो विपक्षी दल थे कांग्रेस वगैरह, वो लोग आचार संहिता का हवाला देते हुए चुनाव आयोग चले गए। उन्होंने कहा कि ये तो सरासर आचार संहिता का उल्लंघन है क्योंकि वोटिंग चल रही है। आचार संहिता लगी हुई है और उसमें कोई भी पार्टी भले ही वो सरकार में हो, वो ऐसे जनहित के कार्यों में पैसे कैसे बांट सकती है। ये तो सीधे-सीधे मतदाता को प्रभावित करने वाला काम हुआ। तो उनकी अपील पर चुनाव आयोग को यह कदम उठाना पड़ा और जो पैसा जारी होना था उस पर रोक लगा दी।

गौरतलब है कि मई 2018 से केसीआर सरकार जो है वो साल में दो बार किसानों को पैसा बांट रही है। अब तक इससे 58 लाख किसानों को साल में दो बार पैसा मिलता है और इस बार बीआरएस का जो मैनिफेस्टो है, उसमें उसने ऐलान किया है कि अभी ये जो हर साल 10,000 की राशि दी जाती है। उसको बढ़ाके हम 16,000 कर देंगे। अब लगता है कि कांग्रेस इसे बीआरएस के लिए एक झटका मान रही हैं तो उनके लिए झटका नहीं माना जा सकता है क्योंकि उनको भी इस चीज की आशंका थी। वो पहले से तैयार थे क्योंकि वो लगातार लोगों के बीच में ये प्रचारित कर रहे थे कि देखिये अगर कांग्रेस की सरकार आती है तो वो ये रायथु बंधु योजना को बंद कर देगी। केसीआर ने तो यहां तक कहा कि अगर कांग्रेस सरकार में आती है तो वो उसको बंगाल की खाड़ी में फेंक देगी। तो अब जो बीआरएस है, उसकी योजना ये है कि चुनाव से ठीक 3 दिन पहले अगर इस पर रोक लगती है तो वो उसको अपने पक्ष में भुनाएगी। वो कहेगी देखिए कांग्रेस वगैरह चुनाव आयोग के पास गए और जो पैसा आप को मिलना चाहिए था, इस पैसे को देने में अड़ंगा लगाया। तो वो इसको अपने पक्ष में इस तरह से प्रचारित करेगी। कांग्रेस वैसे ही लगातार कह रही है कि ये जो हो रहा है वो आचार संहिता का सरासर उल्लंघन है।

यहां एक बात जानना जरुरी है कि केसीआर का जो पूरा चुनावी प्रचार है तो वो अपनी जनहित की योजनाओं को लेकर लोगों के बीच जा रहे हैं। तेलंगाना के लोग मान रहे हैं कि केसीआर ने काम किया है। गजवेल, कामारेड्डी, सिरसिल्ला वगैरह तमाम ऐसे इलाके हैं, जहां पे लोग कहते हैं कि आज से 9 से 10 साल पहले इस इलाके की शक्ल ऐसी नहीं थी जो शक्ल आज आपको दिखाई दे रही है। लेकिन एक बात और नहीं भूलनी चाहिए कि जो एक बहुत बड़ा तबका है वो तबका अब बदलाव भी चाहता है। अगर मुद्दों की बात करें। तो जैसे इनकी शादी मुबारक योजना है या गृहलक्ष्मी योजना है। इसमें शादी होती है, तो लड़की को सरकार की तरफ से 1लाख रूपया मिलता है। इसी तरह डिलिवरी के लिए पैसा दिया जाता है। किसानों को पैसा दिया जाता है। ये लोग दलित बंधु योजना लेकर आए, जिसमें दलितों को ?10 लाख की राशि दी जाती है और वो कोई लोन नहीं होता है। वो सरकार की तरफ से ग्रांट दी जाती है। अगर कोई भी अपना काम शुरू करना चाहते हैं, कुछ भी करना चाहते हैं तो वे उसका इस्तेमाल कर लेते हैं। तो बेसिकली वो दलित समुदाय के उत्थान लिए थी। इसमें ऐसा नहीं है कि आप सिर्फ कारोबार करिए। अगर आपको लगता है कि आपको घर बनाना है तो आप उस दस लाख रुपए से घर बना सकते हैं। आपको लगता है गाडी खरीदनी है तो आप गाड़ी खरीद लीजिए और सरकार आपसे कोई हिसाब नहीं मांगेगी। ऐसे ये माइनॉरिटी के लिए भी लेके आये। इसी तरह से वो टू बीएचके घर लेके आए। जिनके पास घर नहीं है, वे कहते है कि उनको टू बीएचके घर देंगे। लेकिन हो ये रहा है कि इस चुनाव में यही सारी योजनाएं आज उनके लिए एक गले में फांस बनती दिखाई दे रही है क्योंकि जो वोटर है वो कह रहा है कि आपने बड़े - बड़े दावे किए, बड़ी बातें की हैं, लेकिन आज टू बीएचके हम लोगो को मिला नहीं? मुट्ठी भर लोगों को मिला। या दलित बंधु योजना जो है। आपने एक चुनाव क्षेत्र में 500 बेनिफिशरी की लिस्ट तैयार की, लेकिन उसमें से एक या दो लोगों को मिला। तो जो बाकी बचे हुए लोग थे, जिनकी लिस्ट तैयार हुई, वो लोग बहुत नाराज और निराश हैं।

वैसे देखा जाय तो राज्य के गठन के बाद से ही लगातार सत्ता में बरकरार केसीआर अपनी कुर्सी बचाए रखने के लिए इस बार पूरा जोर लगाते दिख रहे हैं क्योंकि उन्हें भाजपा और कांग्रेस दोनों से बराबर की टक्कर मिल रही है और ऐंटी इनकम्बेंसी का फैक्टर भी होगा। इस बात कोई दो राय नहीं है कि तेलंगाना में भाजपा मोदी के भरोसे बहुत आगे तक जा रही है। अगर अल्पसंख्यकों की बात करें तो मुस्लिम तबके को 4% आरक्षण देने की जो बात है, उस पर भाजपा कहती है कि अगर हम सरकार में आयेंगे तो 4% आरक्षण की जो बात है, उसको हम विड्रॉ कर लेंगे। कहीं ना कहीं भाजपा यहां पर एक साफ मैसेज दे रही है कि जो मेजॉरिटी वोट बैंक है, हमें उसी की जरूरत है। माइनॉरिटी की हमें इतनी जरूरत नहीं है। वो बहुत ज्यादा उस पर आधारित नहीं है। जहां तक आपने माइनॉरिटी की बात की तो यहां पर आज बीआरएस में जाता है ये वोटबैंक। इसलिए भाजपा उस पर ध्यान नहीं दे रही है । वैसे भी उसने मुस्लिम वोट पर ओवैसी पूरा जोर लगा रहे है इससे ओवैसी और कांग्रेस में मुस्लिम वोटों का बंटवारा तय है । बात करे कांग्रेस कि तो उसकी जो गैरन्टी है, वो लोगों को अपील कर रही है। पहले से ही राज्य की जो जनता है, जो एक बड़ा तबका है वो फ्री बीज का आदि हो चुका है। तो ऐसे में अभी हाल ही में जो कर्नाटक में इन्होंने अपनी गैरैन्टी दी और कांग्रेस का दावा है कि उसने अपनी छह गैरन्टी इसमें से चार गैरन्टी को लागू भी कर दिया है। तो कहीं ना कहीं ये दक्षिण का राज्य है कर्नाटक और जैसा कि आपने खुद कहा कि मंत्री लोग आ रहे हैं। बल्कि जनता का भी आना जाना है इलाकों में, लोग एक दूसरे राज्य से आते हैं। खबरें आती हैं। तो ये बात आ रही है कि कांग्रेस ने जो वादे किए थे उसको जमीन पर उतारना भी शुरू कर दिया। उसके लिए काम कर रही है। तो कहीं ना कहीं ये चीज भी लोगों को अपील कर रही है। एक और कांग्रेस की संभावना के पीछे वजह ये है कि अगर देखा जाय तो कुछ इलाके हैं प्रदेश के, जैसे करीम नगर, महबूब नगर, आदिलाबाद,ये सब जो इलाके थे, ये सब कभी टीडीपी प्रभाव वाले थे और इस बार टीडीपी कहीं मुकाबले में नहीं है। टीडीपी ने कांग्रेस का समर्थन किया है। तो माना जा रहा है जो टीडीपी का वोट बैंक है वो कांग्रेस को मिलेगा। इसी तरह से कुछ पॉकेट्स में लेफ्ट है। लेफ्ट ने सिर्फ एक ही जगह पर कांग्रेस के साथ तालमेल करके अपना एक उम्मीदवार उतारा है। फिर वाईएसआरटीपी की जो शर्मिला हैं, उनका तेलंगाना का जो अपना चैपटर है, उन्होंने भी कांग्रेस के समर्थन के लिए बात की है। तो लग रहा है कि अगर भाजपा और बीआरएस को छोड़ा जाए तो जितना वोट बैंक है वो सब दल कांग्रेस की तरफ आने की कोशिश कर रहे हैं। इसीलिए कांग्रेस को अपने लिए बेहतर चान्सेस दिख रहे हैं।

रामायण में काण्ड का नाम सुन्दर काण्ड क्यों?

महर्षि वाल्मीक रचित रामायण हो या गोस्वामी तुलसीदास जी द्वारा रचित रामचरित्र मानस, दोनों में बालकाण्ड, अयोध्याकाण्ड, अरण्यकाण्ड, किष्किंधाकाण्ड, उत्तरकाण्ड नामकरण कर रामकथा के प्रसंगों को इन काण्डों में समाहित किया है जिसमें सुंदरकाण्ड नामकरण किए जाने की विशेषताओं का रहस्य विरले ही समझ पाते है विशेषकर वे लोग जो नित्य प्रतिदिन सुंदरकाण्ड का पाठ करते है वे इससे भलीभाँति अनभिज्ञ है। रामायण जनमनोहरमादिकाव्यम रामायण जन-जन को प्रिय है यह आदिकाव्य है जिसके सभी पात्र ओर उनकी कथायें सुंदर है इसलिए काण्ड का नाम सुंदरकाण्ड रखा गया। रामायण सबके मन में बसी होने से मनोहर है ओर सुंदरकाण्ड अत्यंत मनोहर ओर सर्वश्रेष्ठ है। सर्वश्रेष्ठ बतलाते हुये कहा है सुंदरे सुंदरों रामः सुंदरे सुंदरी कथा। सुंदरे सुंदरी सीता सुंदरे किन्न सुंदरम। सुंदरकाण्ड में राम सुंदर है, सुंदर की कथाएँ सुंदर है, सुंदर में सीता सुंदरी है , सुंदर में क्या सुंदर नहीं है? सुंदर में राम की कथा नहीं है, भक्त हनुमान की कथा ओर सीता की व्यथा हृदय को द्रवित कर देती है, यही सुंदरतम है, प्रश्न उठता है फिर सुंदरे सुंदरों रामः क्यो कहा गया है? सुंदर काण्ड के दो प्रमुख ओर प्रधान चरित्र है सीता ओर हनुमान। हनुमान तो भक्त है ओर सीता शक्ति है ओर राम शक्तिमान। श्रीराम सीता अभिन्न है उन्हे प्रथक करके नही देखा गया है, क्योकि सीता के हृदय में राम बसे है ओर ऐसा कोई पल नहीं आया जब सीता ने राम को विस्मृत किया हो तथा हनुमान ने भी जो भी पराक्रम दिखाये, कही आभास नही होने दिया की वे उनके द्वारा किए गए है, अहंकाररहित हनुमान ने जो भी दुर्गम, दुर्जेय वीरोचित कार्य किए उस सभी कार्य का श्रेय उन्होने अपने प्रभु श्रीराम को दिया है, यही सुंदर कथा है, जो सुंदरकाण्ड की शोभा बढ़ाती है।

रामायण के प्रत्येक काण्डों का नामकरण करते समय व्यक्तित्व, चरित्र, जीवन ओर स्थान विशेष प्रासंगिक रखे गए है जहां हरेक व्यक्तित्व के चरित्र व गुणों के प्रगट होते ही उनके गुणों की सर्वोत्तमता शिखर पर देखने को मिलती है। बालकाण्ड में राम के बचपन के बाल स्वरूप से ताड़का-सुबाहु वध, अहिल्या उद्धार, धनुष भंग कर सीता स्वंवर का चित्रण है तो उत्तरकाण्ड में रावण वध का चरित्र के पश्चात को विस्तार रूप दिया गया है। अयोध्या काण्ड, अरण्यकाण्ड ओर किष्किंधा काण्ड में अयोध्या का उल्लेख, वन प्रदेशों का उल्लेख के आलवा किष्किंधा का उल्लेख है। राम ओर रावण के युद्ध को लंका काण्ड नाम दिया गया जबकि सुंदरकाण्ड इन सारे पहलुओ से प्रथक है ओर यह नाम सर्वथा उच्चासन पर होने से अन्य किसी कथा या प्रसंग सुंदरकाण्ड के आसन पर आसीन नही हो सका है। सुंदरकाण्ड में सभी के चरित्र है विशेषकर इसमें सीता ओर हनुमान की कथा सुंदर है। सीता शक्ति है ओर राम शक्तिमान है। शक्ति ओर शक्तिमान के अनन्य भक्त हनुमान है। शक्तिस्वरूप सीता का हृदय श्रीराम को नहीं छोड़ सकता है। राम के सौंदर्य को लेकर सीता त्रेलोक्य सुंदरी है अतएव राम ही सीता बनकर सुंदर हो रहे है। रामतापनीय उपनिषद में कहा गया है यो वै श्रीरामचन्द्रःस भगवान, या जानकी भुभूवः। स्वस्तस्ये वै नमो नमः। श्रीराम साक्षात भगवान है ओर देवी जानकी रमा है। राम ही जानकी है, इसीलिए राम के सौंदर्य में ही राम मानस- सरो-भरालिका सौंदर्य है। सुदरकाण्ड में जिस कुंतलाकुल कपोलसुंदरी सीता के रूप गुण का विकास है, वह क्या जाग्रत क्या स्वप्न, सर्वदा श्रीराम के चरण कमलों में सब कुछ समर्पित है इसलिए कहा गया है सुंदरे सुंदरों रामः। वाल्मीक जी रचित सुंदरकाण्ड में उन्होने हनुमान के चरित्र को प्रधानता देते हुये उच्च शिखर पर रखा ओर हनुमान के समक्ष रावण की तुलना करते हुये हनुमान के सामने रावण को अति तुक्ष्य मानकर कहा है झ ह्लह्वन मे समा रावणकोटयोधमाः रामस्य दासोंहमपारविक्रमः। ह्लह्व रावण जैसे करोड़ों अधम मेरी समता नहीं कर सकते। मैं श्रीराम का दास हूँ। अतः मेरे पराक्रम का कोई थाह नहीं पा सकता है। राम का दास होने के कारण मुझमे अपार विक्रम है। दास होने से जहां इतना शौर्य झवीर्य प्रस्फुटित हो उठता है ,वहाँ भक्त का सौंदर्य भगवान का ही है। इसी से ह्लसुंदरे सुंदरों रामःह्व कहा गया है। ह्लह्वसुंदरे सुंदरों रामःह्वह्व का अर्थ तो यहा प्रगट हो गया किन्तु सुंदर में सभी सुंदर है इसका अभिप्राय समझने के लिए कथा के मूल में हनुमान ओर सीता के समस्त गुण विकास को समझना होगा तभी सुंदरकाण्ड के सुंदर होने का रस्वास्वादन प्राप्त हो सकेगा। गोस्वामी तुलसीदास ने सुंदर काण्ड की पहली ही चौपाई की शुरूआत सुंदर वचनों से की है कि झह्लह्वजामवंत के वचन सुहाए, सुनि हुनुमंत हृदय अति भाए।ह्लह्व वे हनुमान को अपने विस्मृत हो चुके पराक्रम की याद कराने के बाद उन्हे अपने बल का बखान करते है जो एक ऋषि के श्राप से वे भूल चुके थे। हनुमान जी को स्मरण आता है तो उसकी परीक्षा के लिए वहाँ एक पर्वत का प्रसंग गोस्वामी जी रखते है कि झ ह्लह्व सिंधु तीर एक भूधर सुंदर ह्लह्व में सुंदर शब्द का पहली बार उल्लेख किया ओर हनुमान जी जैसे ही उस पर्वत पर पाँव रखकर कूदते है तो वह पर्वत पाताल में धस जाता है। सुंदरकाण्ड में सुदर क्या है हनुमान का स्वरूप जो भीमाकर कर लिया है जो अगाध गगनाकार सागर को लांघने के लिए है। शत योजन सागर को पार करते समय देवताओं ने उनकी परीक्षा लेने सुरसा को विघ्न बनाकर प्रस्तुत किया जो उन्होने अपने बुद्धिवल से सुरसा की परीक्षा पास करने के लिए सुरसा के शरीर के आकार से दुगुना चौगुना रूप धरने के बाद उनके मुख से वापिस आकार विदा मांगी। मैनाक पर्वत समुद्र से आ जाना ओर हनुमान से कहना की थक गए होंगे विश्राम कर ले ओर कुछ भोजन ग्रहण कर ले तब हनुमान द्वारा कहना की राम काज किन्हे बिना मोहि कहा विश्राम। मैं राम के काम से जा रहा हूँ इस समय मुझे भोजन ओर विश्राम के लिए समय नहीं है मुझे शीघ्र जाना है, हनुमान की बात सुनकर मैनाक पर्वत सागर में लौट जाता है। हनुमान सागर लांघते आगे बढ़ते है तभी एक निशाचर जो आकाश में उड़ने वाले पक्षियों जीव जन्तुओ की परछाई सागर के जल में पड़ते ही उनकी परछाई पकड़ उन्हे खा जाती है वह राक्षसी हनुमान की परछाई पकड़ लेती है हनुमान जी तुरंत उसे मारकर समुद्र पार कर लंका पहुचते है। जिसपर तुलसीदास जी सुंदर शब्द का दूसरी बार प्रयोग कर लिखते है कि झ कनककोट विचित्रा मनि कृत सुन्दरायतना घना अर्थात लंका का वह सोने का परकोटा रंग विरंगी मणियों से जड़ा है जिसके अतिसुंदर घर है। लंका पहुचकर हनुमान जी द्वारा दक्षिण किनारे से त्रिकुट शिखर पर चढ़कर लंकापूरी को देखना, संध्याकाल मसक/मच्छर के समान सूक्ष्म शरीर धारण कर लंका में प्रवेश करते समय राक्षसीवेश धारण करने वाली लंकिनी को घूंसा मारकर रक्तरंजित करनातथा लंकिनी द्वारा हनुमान को लंका के विनाश के प्रसंग सुनकर शुभ संकेत देना सुंदर ही तो है जिसका विस्तार से पढ़ने के बाद सुंदरकाण्ड के अन्य प्रसंगो का सुंदरतम वर्णन से सभी आभिभूत होते है ओर हनुमान के द्वारा उनके मार्ग में बाधक बनी तीन स्त्रियों के साथ अपनाए गए व्यवहार उनकी बुद्धि का प्रमाण है जहा वे पहली स्त्री सुरसा के सामने विनय करते है, दूसरी स्त्री सिहिंका को यमलोक पहुचाते है ओर लंका को एक मुसठिका मारकर ठीक करते है। सुंदरकाण्ड के कथा वर्णनों में माता सीता की खोज में हनुमान लंका के हर महल ओर घरों का अन्वेषण करते है। गोस्वामी जी लिखते है मंदिर मंदिर प्रति करि सोधा, देखे जंह तंह अगनित जोधा। गयउ दसानन मंदिर माहीं, अति विचित्र कहि जात सो नाही। हनुमान ने हर घर जिन्हे मंदिर कहा गया है में सीता की तलाश की परंतु उन्हे असंख्य योद्धा दिखे । रावण के महल में भी देखा जो विचित्र बना हुआ था जहा भी सीता नही दिखी। तब हनुमान को एक सुंदर घर दिखा जिसमे रामनाम अंकित था तुलसी की पुजा होती थी तब उन्होने सोचा यहा निश्चरों के बीच कौन सज्जन पुरुष है लंका निसिचर निकर निवासा, इहाँ कहाँ सज्जन कर बासा। मन महु तरक करें कपि लागा, तेही समय विभिसनु जागा। ह्लह्व हनुमानजी ने ब्रम्हण का वेश धर कर बिभीषन से मिले जहा से उन्हे सीता माता के अशोक वाटिका में होने कि जानकारी मिली ओर वे सीतामाता से मिलने के लिए अशोकवाटिका कि ओर चल दिये। ह्लएकवेन्णी कृशां दीनां मलिनाम्बरधारिणिम । भूमौ शयानां शौचंती रामरामेति भाषिनिम॥ हनुमान जी ने अशोकवाटिका में अशोक वृक्ष के नीचे पृथ्वी पर माता जानकी को देखा,मानो कोई देवांगना एक वेणी धारणकिए हुये है ओर उसका शरीर अत्यंत दुर्बल हो, आकृति दीन थी, वस्त्र मलिन थे ओर चिंतन कि मुद्रा में राम राम कि रट लगाए हुये थी। हनुमान जी ने जनकनंदिनी के दर्शन रात में किए तब बीस भुजा वाले नीलांजन राशि के समान रावण का सीता के पास आना ओर सीता के दर्शन कर अपनी कठोर ओर कटु वाणी बोलना ओर सीता का उत्तर प्रतिउत्तर सुनकर जानकी के वध के लिए रावण का खड़ग उठाना ओर मन्दोदरी द्वारा उसे रोका जाना, रावण का सीता को दो माह का समय देना तथा राक्षसीगण को सीता को भयभीत करने के आदेश के उपक्रम में सीता को उत्पीड़न करना ओर धमकी देना कि ह्लह्वमास दिवस महूँ कहा न माना तो मैं मारिब काढ़ि कृपाना।ह्लह्व त्रिजटा का स्वप्नवृतांत सुनाकर राक्षसीवृंद को भयभीत ओर निंदित करना , सीता का रुदन करना ओर प्राणत्याग कि चेष्टा का भाव लाने पर हनुमान द्वारा अवसर जानकार सीता को रामवृतांत सुनाना ओर फिर राम द्वारा दी गई मुद्रिका/अंगूठी सीता को प्रदान कर उनका विश्वास अर्जित करने के लिए अंगूठी सीता जी से सामने डाल दी। ह्लतब देखि मुद्रिका मनोहर, राम नाम अंकित अति सुंदर। ह्ल सीताजी अंगूठी पहचान कर हर्ष ओर दुख के साथ व्याकुल हो गई तब हनुमान से वानरराज सुग्रीव से मित्रता कि बात बताकर वानरों के बल बुद्धि का बखान कर कर उनकी ताकत का भरोसा दिलाया जिसपर पर संतुष्ट होकर सीता ने उन्हे आशीर्वाद दिया झ ह्लआशीष दीन्ही रामप्रिय जाना होहु तात बल सील निधाना । अजर अमर गुन निधि सुत होहु। करहु बहुत रघुनाय

प्रारंभ संस्था ने सैकड़ों कैंसर पीड़ित मरीजों को बांटे कंबल

मुंबई (उत्तरशक्ति)। प्रारंभ संस्था ने टाटा अस्पताल में कैंसर का इलाज करा रहे सैकड़ों मरीजों और उनके परिजनों को कंबल बांटे। दादर स्थित श्री घाडगे महाराज मिशन धर्मशाला परिसर में कैंसर पीड़ित मरीजों को आरव ग्रुप के चेयरमैन व प्रारंभ संस्था के प्रमुख नितिन तिवारी ने स्वयं मरीजों और उनके परिजनों से मुलाकात की और उन्हें कंबल वितरण किया।

इस मौके पर नितिन तिवारी ने कहा कि प्रारंभ संस्था का यह प्रथम सामाजिक प्रयास है और भविष्य में भी प्रारंभ संस्था गरीबों और जरूरतमंदों की मदद के लिए विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन करेगी। इस अवसर पर आरव ग्रुप की डायरेक्टर रीना तिवारी व संस्था से जुड़े अन्य लोग भी उपस्थित थे।

अपना पूर्वांचल महासंघ ने किया कृपाशंकर का सम्मान

मुंबई (उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र के पूर्व गृह राज्यमंत्री तथा अपना पूर्वांचल महासंघ के सरंक्षक कृपाशंकर सिंह के अथक प्रयाशों से मुंबई से मऊ तक की साप्ताहिक ट्रेन सुविधा का रेल मंत्री अश्विनी कुमार वैष्णव द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना की गई। इससे पूर्वांचल के लोगों को बहुत राहत हुई है। अपना पूर्वांचल महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं वरिष्ठ अधिवक्ता अशोक कुमार दुबे व राष्ट्रीय संयोजक डॉ. अम्बरीश दूबे ने उनका स्वागत शॉल और पुष्पगुच्छ देकर किया। महासंघ के महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष प्रमोद मिश्रा, राष्ट्रीय महासचिव फूलचंद्र दीक्षित, कोषाध्यक्ष मनोज राय, राष्ट्रीय सचिव अरविंद मिश्रा, मीडिया प्रभारी नागमनी पांडेय, मुंबई सचिव पवन पाल, रायगढ़ ज़िला अध्यक्ष सी. पी. प्रजापति, राधेश्यम यादव एवं अन्य पदाधिकारियों ने इस कार्य को पूर्वांचल के लिए एक बड़ी उपलब्धि बताया और अभिनंदन किया।इस अवसर पर वरिष्ठ भाजपा नेता ओमप्रकाश सिंह, चंदन सिंह, मिठाईलाल सिंह समेत अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

मत्स्य पालन विभाग के पदाधिकारियों ने मछुआरों से किया मुलाकात

वसई रोड (उत्तरशक्ति)। पिछले दो दिनों से हो रही बेमौसम बारिश के कारण मछुआरों को काफी नुकसान हुआ है। महाराष्ट्र सरकार के मत्स्य पालन विभाग की लाइसेंस अधिकारी सुश्री म्हापसेकर और उनके कर्मचारियों को सूखी मछली का वास्तविक नुकसान दिखाया गया। ग्राम पंचायत सदस्य और भाजपा जिला अध्यक्ष महेंद्र पाटिल, ग्राम पंचायत सदस्य हेमलता बालशी, ग्राम पंचायत सदस्य जयवंत (डारक्या) चावरे, ग्राम पंचायत सदस्य देवेंद्र वैती और बड़ी संख्या में मछुआरे महिलाएं उपस्थित थीं।वसई विरार भाजपा जिला अध्यक्ष ने लोगो से मुलाकात कर हाल-चाल जाना।

डीटीडीसी एक्सप्रेस अब ओएनडीसी पर भी उपलब्ध

मुंबई। भारत की सबसे बड़ी इंटिग्रेटेड एक्सप्रेस लॉजिस्टिक कंपनी डीटीडीसी एक्सप्रेस लिमिटेड अब ओएनडीसी (ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स) पर भी उपलब्ध होगी। इससे भारत में ई-कॉमर्स लॉजिस्टिक के क्षेत्र में और भी बेहतर सुविधाएं मिलेंगी, क्योंकि इस नेटवर्क पर मौजूद सेलर इस कंपनी की नई टेक्नॉलाजी वाली सेवाओं का फायदा ले पाएंगे। डीटीडीसी ने यह कदम स्थानीय उद्यमियों-कंपनियों और ई-कॉमर्स के क्षेत्र में काम कर रहे छोटे सेलर को फायदा पहुंचाने के लिए उठाया है। डीटीडीसी के इस कदम से इन सभी कंपनियों और सेलर को तेजी से बदलते ई-कॉमर्स के क्षेत्र में अपने बिजनेस को बढ़ाने और स्थापित करने के लिए जरूरी साधन और टेक्नॉलाजी मिलेगी। ओएनडीसी के एमडी और सीईओ टी कोशी ने इस साझेदारी के बारे में कहा, ओएनडीसी का मकसद ऐसा सिस्टम बनाना है जिसमें किसी भी जगह से अपना कारोबार करने वाले और बड़े या छोटे हर सेलर के लिए समान सुविधाएं उपलब्ध कराई जाए। अब जबकि डीटीडीसी इस नेटवर्क से जुड़ गया है तो हम ज्यादा बेहतर तरीके से सेलर तक सुविधाएं पहुंचा पाएंगेह्व। डीटीडीसी इंडिया के एग्जीक्यूटिव डाइरेक्टर अभिषेक चक्रवर्ती ने कहा, ह्लओएनडीसी के साथ हमारा जुड़ना लॉजिस्टिक सेवाओं को बेहतर बनाने के हमारे इरादों को बताता है। यह कदम बताता है कि हम बदलते डिजिटल इकोसिस्टम के हिसाब से सभी तरह के बिजनेस को तरक्की के समान अवसर देना चाहते हैं। हमारा लक्ष्य तेजी से उभरते छोटे उद्यमियों (एसएमई), छोटे आकार के कारोबारों, स्थानीय सेलर को अपने साथ जोड़ना है और लोगों को दूरदराज के इलाकों में भी बेहतर लॉजिस्टिक सेवाएं उपलब्ध कराना है। ओएनडीसी पर अपनी मौजूदगी से डीटीडीसी नई तकनीक के साथ लॉजिस्टिक सेवाएं देने वाली अग्रणी कंपनी के तौर पर अपनी पहचान को भी और ज्यादा मजबूत करने जा रही है। अपनी तरह के अनोखे इस ओएनडीसी मंच पर डीटीडीसी, बिजनेस से ग्राहक तक एक्सप्रेस और सामान्य डिलीवरी के अपने बेहतरीन अनुभव को लाने के लिए प्रतिबद्ध है। इसके लिए वह अपने बड़े और भरोसेमंद नेटवर्क का इस्तेमाल करती है जो कि पूरे देश में फैला हुआ है।

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ दूसरी तिमाही-वित्त वर्ष 2024 में क्लेम सेटेलमेंट में शीर्ष पर

ठाणे। 2023-वित्त वर्ष 2024 की दूसरी तिमाही के लिए, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस निजी क्षेत्र के जीवन बीमाकताओं के बीच क्लेम सेटेलमेंट अनुपात में शीर्ष पर है । वित्त वर्ष 2024 की पहली तिमाही में कंपनी का सर्वश्रेष्ठ क्लेम सेटेलमेंट अनुपात 97.9 प्रतिशत था। यह ग्राहकों और उनके परिवारों से किए गए वादों को पूरा करने की उनकी प्रतिबद्धता को दशार्ता है।गौरतलब है,वित्त वर्ष 2023 के लिए कंपनी का क्लेम सेटेलमेंट अनुपात 98.7 प्रतिशत था और वास्तविक मृत्यु क्लेम को निपटाने में लगने वाला औसत समय 1.2 दिन था। यह सुनिश्चित करता है कि दावेदारों को दावा राशि तक तत्काल पहुंच मिले। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस का दूसरी तिमाही-वित्त वर्ष 2024 का क्लेम सेटेलमेंट अनुपात 98.14 प्रतिशत है । टाटा एआईए लाइफ इंश्योरेंस का 90.55 प्रतिशत,एचडीएफसी लाइफ का 96.62 प्रतिशत, बजाज अलियांज लाइफ इंश्योरेंस का 91.79 प्रतिशत,मैक्स लाइफ इंश्योरेंस का 95.90 प्रतिशत,एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस का 95.67 प्रतिशत है । यह जानकारी क्लेम सेटेलमेंट में आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस की निरंतरता को दशार्ती है।

प्रिया प्रवीण संखे के स्मृति दिवस पर वृद्धाश्रम में कंबल एवं फल वितरण कार्यक्रम आयोजित

निराश्रित बुजुर्गों की मदद करने का हेमन्त संखे शिक्षण संस्थान का कार्य सराहनीय है : शिरीष नाडकर्णी

पालघर(उत्तरशक्ति/ अजीत सिंह)। स्वर्गीय प्रिया प्रवीण संखे के दूसरे स्मृति दिवस पर तारापुर के निकट कमोडा में बाल विकास महिला मंडल द्वारा संचालित सिद्धि वृद्धाश्रम में बुजुर्ग दादा-दादी को कंबल और फल वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया । इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर डी डेकोर होम फैब्रिक्स प्राइवेट लिमिटेडके महाप्रबंधक शिरीष नाडकर्णी उपस्थित थे। रा.ही.सावे विद्यालय तारापुर आदर्श पुरस्कार प्राप्त शिक्षक संपत वैराल, महाराष्ट्र उद्योजकता विकास केंद्र पालघर जिला समन्वयक मेघना वैराल, संस्था के अध्यक्ष व बोईसर ग्राम पंचायत पूर्व उपसरपंच प्रवीण संखे, महिला आर्थिक विकास निगम बोईसर प्रबंधक श्रीमती रूपाली कोलेकर , स्थानीय जनविकास प्रतिष्ठान बोईसर महिला अध्यक्षा बेबीताई सनप और मुंबई बेस्ट बस सर्विस के कर्मचारी अनिल सनप उपस्थित थे। मुख्य अतिथि शिरीष नाडकर्णी ने कहा कि मैं एक प्रतिष्ठित कंपनी में प्रबंधक हूं और मेरा मुख्य कार्य कंपनी में श्रमिकों का मार्गदर्शन व समर्थन करना है लेकिन मेरे मित्र प्रवीण संखे जो कई वर्षों से सामाजिक कार्य कर रहे हैं। उनकी पत्नी के दुःखद निधन के बाद गरीबों और बुजुर्गों के लिए अथक और अटूट रूप से शुरू किया गया सामाजिक कार्य वास्तव में सराहनीय है। पिछले कई वर्षों से प्रवीण संखे के साथ पारिवारिक घनिष्ठ संबंध रहा है। दिवंगत प्रिया वाहिनी बहुत सहज और भोली थीं।

शिरीष नाडकर्णी ने उनकी पवित्र आत्मा को विनम्रतापूर्वक श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि प्रवीण संखे ने संस्था के माध्यम से वृद्धाश्रम में निराश्रित बुजुर्ग दादा-दादी को गर्म कंबल एवं फल वितरित कर उनका आशीर्वाद प्राप्त कर पुण्य का कार्य किया है।

सावे विद्यालय तारापुर के शिक्षक संपत वैराल ने उपस्थित जनों का मार्गदर्शन करते हुए कहा कि इस कार्यक्रम में निराश्रित बुजुर्ग माता-पिता को देखकर मुझे अपने माता-पिता की याद आती है। क्योंकि मेरे माता-पिता इस दुनिया में नहीं हैं। भगवान हमारे घरों में हैं और हमारे माता-पिता हमारे वास्तविक भगवान हैं और हर किसी को अपने माता-पिता की पूजा अपने हृदय मंदिर में करनी चाहिए, पालघर जिला समन्वयक मेघना वैराल ने अपने भाषण में कहा कि स्थानीय जन विकास प्रतिष्ठान एक धर्मार्थ संगठन है जो हर महीने गरीबों के लिए कुछ सामाजिक कार्य करता है। प्रवीण संखे द्वारा हेमन्त कोचिंग क्लासेस के माध्यम से जरूरतमंद विद्यार्थियों के लिए किया गया कार्य वास्तव में महान है, शिक्षा के क्षेत्र में उनका सहयोग एवं योगदान विभिन्न विद्यार्थियों के लिए अत्यंत मूल्यवान एवं मार्गदर्शक रहा है। बोईसर ग्राम पंचायत के तत्कालीन उपसरपंच रहने के दौरान प्रवीण संखे द्वारा बोईसर के निवासियों के लिए किए गए कई विकास कार्य और नल जल आपूर्ति योजना के कार्य वास्तव में सुंदर और अद्भुत थे। स्थानीय जन विकास प्रतिष्ठान के इस सामाजिक संगठन में 170 महिलाएँ हैं और अध्यक्ष प्रवीण संखे के मार्गदर्शन में हम हर्ष और उल्लास के साथ महिलाओं के लिए विभिन्न विकास कार्य कर रहे हैं।

नृत्य साम्राज्ञी सितारा देवी महोत्सव में शामिल हुए अनूप जलोटा

मुंबई (उत्तरशक्ति)। कलाकृति केंद्र के 29 वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित नृत्य साम्राज्ञी सितारा देवी महोत्सव में पद्मश्री अनूप जलोटा, मशहूर नृत्यांगना जयंती माला मिश्रा समेत अनेक जाने-माने कलाकार शामिल हुए। अंधेरी पश्चिम के भवंस कल्चरल सेंटर में आयोजित यादगार कार्यक्रम में देश के प्रख्यात तबला वादक कालीनाथ मिश्रा, प्रख्यात शास्त्रीय संगीत गायक पंडित सोमनाथ मिश्रा तथा प्रख्यात सितार वादक अलका की प्रस्तुतीकरण के बीच बीजेपी की पूर्व नगरसेविका तथा प्रभाग समिति अध्यक्ष सुधा सिंह ने भी मनमोहक कत्थक नृत्य किया। सुधा सिंह ने कहा कि इतने महान कलाकारों के बीच महोत्सव में शामिल होना अद्भुत और गौरवपूर्ण रहा। अनूप जलोटा ने जहां अपने भजनों से लोगों को मंत्रमुग्ध किया, वहीं उज्जैन महाकाल की खुशबू पांचाल तथा सुश्री जयंती माला मिश्रा के नृत्य ने कार्यक्रम में शमां बांध दिया।

अभिनव लाइव प्रकल्प एवं स्वास्थ्य शिविर का किया शुभारंभ

पालघर(उत्तरशक्ति)। विश्व सीओपीडी दिवस के अवसर पर ल्यूपिन ह्यूमन वेलफेयर एंड रिसर्च फाउंडेशन और सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त तत्वावधान में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र चिंचणी में ₹मोबाइल मेडिकल वैन₹ का आयोजन प्रमुख गणमान्य व्यक्तियों सहयोग से पालघर के विधायक श्रीनिवास वनगा, जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संतोष चौधरी, ल्यूपिन लिमिटेड के सीएसआर हेड तुषारा शंकर की उपस्थिति में किया गया। इस अवसर पर पल्मोनोलॉजिस्ट डॉ. अपर्णा बिराजदार एवं एमओ डॉ. सुप्रिया चुरी ने 30 वर्ष और उससे अधिक आयु के व्यक्तियों के लिए एक विशेष सीओपीडी स्वास्थ्य जांच की। साथ ही संदिग्ध मरीजों का स्पाइरोमेट्री टेस्ट भी किया गया। सीओपीडी रोकथाम के तहत 50 चयनित बीपीएल परिवारों को अर्जुन धुआं रहित स्टोव प्रदान किए गए। इस मौके पर सीएसआर प्रमुख तुषारा शंकर एवं जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संतोष चौधरी ने मरीजों को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने पूर्ण रूप से सुसज्जित मोबाइल मेडिकल वैन में एक्स-रे, स्पाइरोमेट्री, ईसीजी और पैथ लैब परीक्षणों जैसी सेवाओं की उपलब्धता पर प्रकाश डाला। पालघर में एनसीडी कार्यक्रम के हिस्से के रूप में, ये सेवाएं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में स्वास्थ्य शिविरों में उपलब्ध होंगी। यह सहयोगात्मक प्रयास एनसीडी जागरूकता, रोकथाम और सामुदायिक कल्याण के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि मोबाइल मेडिकल वैन और लाइव्स परियोजना, अपने एकीकृत दृष्टिकोण के साथ, पालघर क्षेत्र में सार्वजनिक स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव डालेगी। इस अवसर पर प्लांट हेड आकाश पटेल, सहा.स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शशिकांत सालुंके, हेड लाइव डॉ. नचिकेत सुले, सीएसआर ल्यूपिन प्रबंधक नजीम पठान, ल्यूपिन, स्वास्थ्य जिला प्रबंधक मिलिंद घोटेकर, स्वास्थ्य अधिकारी दहानू डॉ. संदीप गाडेकर, चिंचणी ग्राम पंचायत सदस्य कमलेश भानुशाली, करण बारी चिकित्सा अधिकारी, चिंचणी डॉ. सुप्रिया चुरी, डॉ. दर्शन खंडेजोड, डॉ.गणेश पांचाल तथा स्वास्थ्य कर्मचारी इत्यादि मान्यवर उपस्थित रहे।

प्रदीप शर्मा ने अंधेरी में एमसीडीसी के निवासियों की सुनी शिकायतें

मुंबई (उत्तरशक्ति)। अंधेरी विधानसभा (पूर्व) के एमआईडीसी के समीप स्थित अनेक झोपड़पट्टियों का दौरा गत दिनों पी एस फाउंडेशन के अध्यक्ष प्रदीप शर्मा द्वारा किया गया।

इस दौरान सुभाष नगर नंबर २ में नागरिकों की समस्याओं को शर्मा ने संज्ञान में लेते हुए उन्हें सुलझाने की बात कही। बताया जाता है कि सुभाष नगर नंबर 2 में साई जन सेवा वेलफेयर कमेटी व आदर्श चल कमेटी की ओर से प्रदीप शर्मा का भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर शर्मा ने कमेटी के लोगो के साथ बैठक कर और उनकी परेशानियों को हल करने का वादा किया । इस

अवसर पर अजय चेरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष अजय तिवारी, पी एस फाउंडेशन के यूथ विंग के सदस्य , गिरीश रावत ,हिंदी भाषी विकास परिषद के अध्यक्ष उमेश उपाध्याय,साई जन सेवा वेलफेयर कमेटी के अध्यक्ष के पी गुप्ता , आदर्श चाल कमेटी के अध्यक्ष विजय मराठे, मनीष श्रीवास्तव, अशोक दुबे, संजय चौबे, कृपा संकर सिंह, अनिल शुक्ला सहित साई जन सेवा वेलफेयर कमेटी व आदर्श चाल कमेटी के कई सदस्य व महिलाएं उपस्थित थी।

बोईसर में कुणबी अभियांत्रिकी सम्मेलन का हुआ आयोजन

पालघर(उत्तरशक्ति)। जिले के बोईसर शहर अंतर्गत खोदाराम बाग स्थित डॉन बास्को स्कूल में रविवार 26 नवंबर 2023 को कुणबी समाजोन्नती संघ द्वारा अभियांत्रिकी सम्मेलन का आयोजित किया गया। इस सम्मेलन में शामिल अल्ट्रा प्रोजेक्ट्स के निदेशक विजय घरत, माझगांव डॉक के महाप्रबंधक नीलम घरत, बहुराष्ट्रीय प्रसिद्ध कंपनी आयोन एक्सचेंज के वरिष्ठ उपाध्यक्ष शशिकांत राऊत, बिल्डर दिनेश घरत और औद्योगिक तकनीकी संस्थान के पूर्व प्राचार्य ऋषिकुमार घरत ने अभियांत्रिकी क्षेत्र में अनुभव, संधी,भविष्य के रुझान विषय पर चर्चा की। इस दौरान शशिकांत राऊत ने ज्ञानवर्धक विचार रखते हुए कहा कि ज्ञान और प्रौद्योगिकी के संक्रमण से प्रेरित होकर समाज को क्रांतिकारी परिवर्तन पर ध्यान देना चाहिए, गतिशील बुद्धि का उपयोग करना चाहिए और सामाजिक मूल्यों को संरक्षित करना चाहिए, नई पीढ़ी द्वारा अपनाए जाने वाले कौशल को विकसित करते हुए नौकरी व्यवसाय में अधिक सक्रिय होना चाहिए। दूसरे सत्र में नई पीढ़ी के संयंत्र डिजाइनर राकेश राऊत, परपुती टेक्नो सॉफ्ट के मार्केटिंग मैनेजर सुमेध घरत, एशियन पेंट्स के सेल्स मैनेजर पारस घरत, प्राध्यापिका पूजा घरत, अमेरिका में आईएसएस कंपनी की सहायक संचालिका

सोनम पाटील ने कंप्यूटर, सूचना प्रौद्योगिकी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा साइंस आदि विषयों के बारे में जानकारी प्रस्तुत की। 80 के दशक में ग्रेजुएट महिला इंजीनियर मनुजता राउत ने अपने संदेश के माध्यम से इंजीनियरिंग के क्षेत्र में महिलाओं की प्रगति पर संतोष व्यक्त किया। सम्मेलन में शामिल इंजीनियरों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। न्यूजीलैंड से अक्षय घरत, ऑस्ट्रेलिया से अमेय घरत, नीदरलैंड से अमेय राऊत, स्वीडन से हार्दिक और कांचन चुरी, अमेरिका से कीर्तेश राऊत और चिन्मय घरत ने सम्मेलन में अच्छे संदेश दिये। सम्मेलन का उद्घाटन और संबोधन कुणबी संघ के अध्यक्ष चंद्रकांत घरत ने किया और उपस्थित लोगों का स्वागत कार्यकारी अध्यक्ष मनोज घरत ने किया। कार्यक्रम का सूत्र संचालन प्रा. संजय घरत ने किया तथा संघ के सचिव पंढरीनाथ घरत ने धन्यवाद ज्ञापन किया। सम्मेलन सफल बनाने के लिए बिंदिका पॉली, प्रिसिजन इंडस्ट्री, ग्लोरियस कोटिंग और आम्ही कुणबी पुस्तक के लेखक सतीश घरत ने विशेष सहयोग किया।

कांग्रेस सेवादल का मासिक ध्वजारोहण कार्यक्रम संपन्न

मुंबई (उत्तरशक्ति)। कांग्रेस हाई कमान के आदेश पर गत दिनों घाटकोपर (पूर्व) पंतनगर में अखिल भारतीय कांग्रेस सेवादल के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालजी देसाई , मुंबई कांग्रेस अध्यक्ष श्रीमती वर्षा ताई गायकवाड, मुंबई कांग्रेस सेवादल अध्यक्ष सतीश मनचंदा के नेतृत्व एवं मुंबई प्रदेश कांग्रेस सेवा दल के सचिव/संगठक श्री राजेश मेवाती के सहयोग से घाटकोपर पूर्व में मासिक ध्वजारोहण कार्यक्रम संपन्न हुआ। ध्वजारोहण पूर्व विधायक वीरेंद्र बख्शी द्वारा किया गया। ध्वजवाहक जब्बार भाई थे।

इस अवसर पर मुंबई महिला संगठक जयश्री रणदिवे, उत्तर पूर्व मुंबई जिला कांग्रेस सेवा दल के अध्यक्ष रमेश विश्व कर्मा और उत्तर पूर्व मुंबई जिला सेवा दल के

कार्यकारी अध्यक्ष मुकीम उत्तर पूर्व मुंबई जिला महिला सेवा दल की अध्यक्ष गंगोत्री रितुडी, उत्तर पूर्व मुंबई जिला सेवा दल प्रभारी यास्मीन सैयद, घाटकोपर महिला तालुका अध्यक्ष श्रीमती स्मिता खाटू, उत्तर पूर्व मुंबई जिला कांग्रेस सेवा दल महासचिव शफी खान, उत्तर पूर्व मुंबई जिला कांग्रेस सेवा दल विजयपाल यादव, उत्तर पूर्व मुंबई जिला कांग्रेस कांग्रेस सेवा दल महासचिव विजय प्रताप गौड़, उत्तर पूर्व मुंबई जिला महिला कांग्रेस सेवा दल सचिव नसीम बानो शेख, उत्तर पूर्व मुंबई जिला कांग्रेस सेवा दल महासचिव रमाकांत पाल, नरेंद्र सिंह विक्रोली तालुका सेवा दल अध्यक्ष, करण सिंह विक्रोली वार्ड अध्यक्ष, डैशिंग ब्लॉक अध्यक्ष ब्लॉक श्री विदेश पाल सिद्धु, विकास कुलाबकर, स्मिता रॉय सचिन भातुसे सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस के पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* संरक्षकः सुरेश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
* प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालयः
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक) नियर जॉनसन हाऊस, शाप नंबर - 21, उन्नति सी.एच.एस. सेनापति बापट मार्ग, माहिम (वेस्ट) मुंबई-400016
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37

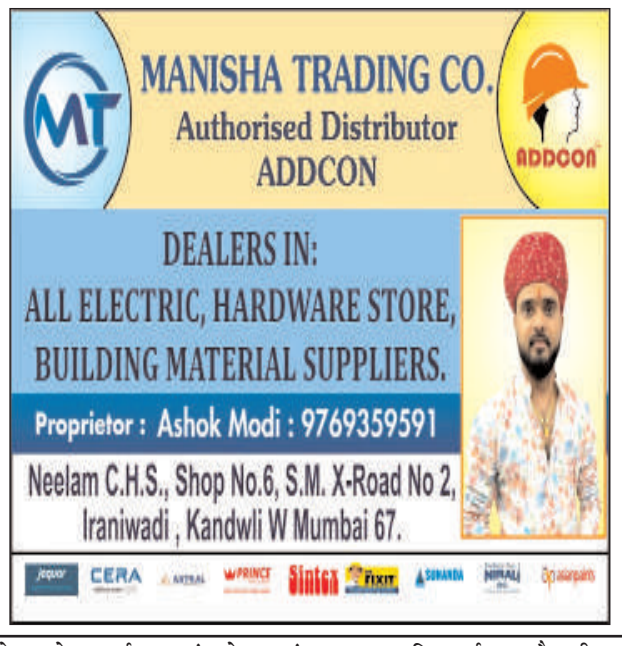

स्वामी- शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविन्द्रनाथ प्रजापति द्वारा एस.आर. पब्लिकेशन मोहन अर्जुन कम्पाउंड गोडाउन नं.-08,09,10 नियर घर्टनपाड़ा वैशाली नगर लास्ट बस स्टाफ दहिसर (ई.) मुंबई 400068 से मुद्रित एवं 103, प्रथम फ्लोर बी विंग एयरपोर्ट ब्यू सी.एच.एस. लि. वीर मकरन्द घानेकर मार्ग आजाद रोड फायर विग्रेड विले पारले (ई.) जिला मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 *संपादक- ओमप्रकाश रविन्द्रनाथ प्रजापति, इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदायी तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः नियर जॉनसन हाऊस, शाप नंबर - 21, उन्नति सी.एच.एस. सेनापति बापट मार्ग, माहिम (वेस्ट) मुंबई-400016 * मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com,

पेड़ पर दुपट्टे के सहारे लटकता मिला युवती का शव

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। चन्दवक थाना क्षेत्र के ब्राह्मणपुर चौकी अंतर्गत सतमेंसरा ग्राम मे बीती रात पेड़ पर दुपट्टे के सहारे 22 वर्षीय युवती का शव मिलने से सनसनी फैल गया। जानकारी अनुसार अर्चना यादव पुत्री अखिलेश यादव निवासी सतमेसरा बीती रात को रोज की भांति अपने परिजनों को खाना खिला कर 10 बजे रात्रि सोने अपने कमरे में चली गई। परिजनों के अनुसार रात्रि लगभग डेढ़ बजे लघु शंका करने उठे तो बिजली बल्ब नहीं जल रहा था। खराब बिजली ठीक करने के लिए जैसे हीं टार्च जलाया तो घर के सामने पाकड़ के पेड़ पर दुपटा के सहारे लटका शव देखकर हल्ला मचाया। वही जब नजदीक जाकर देखे तो परिजनों मे चीख पुकार मच गई। जिसकी सूचना परिजनों ने पुलिस को दी। सूचना पर पहुंचे चंदवक थानाध्यक्ष महेश कुमार सिंह मयफोर्स शव को कब्जे मे लेकर जांच पड़ताल शुरू कर दी।

मुंबई में कन्टेनर चला रहे सचिन भारती की सड़क हादसे में मौत

शिवकुमार प्रजापति

शाहगंज/जौनपुर(उत्तरशक्ति)। शाहगंज के बीबीगंज चौकी क्षेत्र गोड़िला गांव निवासी सचिन भारती (22) पुत्र महेश भारती मुम्बई शहर में कन्टेनर चलाता था। शनिवार की शाम करीब 3 बजे वह कन्टेनर लेकर हाईवे पर पहुंचा और गाड़ी को सड़क किनारे रोक कर उसमें आई कमियों को ठीक करने लगा। तभी पीछे से आ रही एक कन्टेनर ने सचिन के कन्टेनर पर जोरदार टक्कर मार दी। जिससे उसके आगे की कन्टेनर सचिन के उपर चढ़ गई और सचिन की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। पुलिस ने कन्टेनर चालक के शव को कब्जे में लेकर परिजनों को सूचना देते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। सूचना पर पहुंचे परिजनों ने पोस्टमार्टम घर से शव को लेकर यहां घर वापस आये और अंतिम संस्कार कर दिया।

नशे में धुत ड्राइवर ने टोल कर्मी पर चढ़ाई स्कार्पियो

सहारनपुर (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में सोमवार देर रात हुए एक हादसे में एक टोल कर्मी गंभीर रूप से घायल हो गया। यहां एक नशे में धुत चालक ने टोल कर्मी पर गाड़ी चढ़ा दी। जानकारी के अनुसार सरसावा क्षेत्र में सोमवार की रात स्कॉर्पियो गाड़ी चालक ने रुड़की पंचकुला नेशनल हाईवे 344 पर स्थित सुआंखेड़ी टोल प्लाजा की फास्टैग लाइन से अचानक गाड़ी मोड़ते हुए वीआईपी लेन में घुसने का प्रयास किया जिसकी चपेट में आकर टोलकर्मी गंभीर रुप से घायल हो गया। मौके पर मौजूद टोलकर्मियों ने आरोपी कार चालक सरसावा में टूटू रोड पर रेडीमेड गारमेंट की दुकान करने वाले व्यापारी सौरभ जैन को कार सहित पकड़ कर पुलिस के हवाले कर दिया। घायल टोलकर्मी को उपचार के लिए सीएचसी सरसावा में भर्ती कराया गया। उधर सरसावा थानाध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार ने बताया कि पीड़ित टोल कर्मी की तहरीर पर आरोपी सौरभ जैन को हिरासत में लेकर रिपोर्ट दर्ज की जा रही है। टोल कर्मी की हालत खतरे से बाहर है। उसकी टांगों में चोट आई है।

कोहरे और सर्दी को लेकर मौसम विभाग की भविष्यवाणी

लखनऊ (उत्तरशक्ति)। यूपी का मौसम तेजी से बदल रहा है। मंगलवार के दिन की शुरूआत जहां कोहरे से हुई तो दिन चढ़ने के साथ अच्छी धूप भी निकली। कोहरे का यह असर कमोवेश पूरे यूपी में देखने को मिला। सर्दियों के मौसमी उतार-चढ़ाव तेजी से शुरू हो चुके हैं। मंगलवार को सीजन का पहला घना कोहरा प्रदेश में छाया रहा। फुर्सतगंज रायबरेली में तो दृश्यता 20 मीटर तक ही रही। वहीं लखनऊ, बाराबंकी और अयोध्या में 50 मीटर तक रही दृश्यता। मौसम विभाग ऐसे ही हाल एक दो दिन तक बने रहने के आसार जता रहा है। साथ ही दो दिसंबर से प्रदेश में बारिश के भी आसार हैं। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के मुताबिक, 29 नवंबर की रात से एक और पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता बारिश के अनुकूल सिस्टम बनाएगी। इसके चलते अरब सागर से आ रही नमी का प्रभाव दो दिसंबर तक बना रहेगा। इसके साथ ही पुरवा हवा चलने के कारण दो दिसंबर तक बादलों की आवाजाही बनी रहेगी। प्रदेश के पश्चिमी भाग में 30 नवंबर तक और दक्षिण उत्तर प्रदेश में दो दिसंबर तक बूंदाबांदी के साथ ही छिटपुट बारिश हो सकती है। आगामी एक दो दिन तक प्रदेश के कई इलाकों में सुबह के समय मध्यम से घना कोहरा छाया रहने के आसार हैं।

सोनभद्र ने जीता वॉलीबाल का उद्घाटन मैच

बस्ती(उत्तरशक्ति)। नेशनल इंटर कॉलेज मूड़ाडीहाबेग में दो दिवसीय नेशनल राज्य स्तरीय डे-नाइट वॉलीबाल प्रतियोगिता सोमवार से शुरू हुई। अनपरा सोनभद्र आई क्लब ने उद्घाटन मैच दो सेट से जीत लिया।

स्पोर्ट्स कॉलेज लखनऊ और आई क्लब अनपरा सोनभद्र के बीच मैच हुआ। 25-25 अंक के तीन राउंड में मैच खेला गया। स्पोर्ट्स कॉलेज लखनऊ ने 25-17-14 अंक बनाए। जबकि आई क्लब अनपरा सोनभद्र ने 20-25-25 अंक बनाए। आई क्लब अनपरा सोनभद्र ने दो सेट से मैच जीता। आजमगढ़ और स्पोर्ट्स कॉलेज गोरखपुर के बीच तीन सेट में मैच खेला गया। आजमगढ़ ने 22-25-25 अंक बनाए। जबकि स्पोर्ट्स कॉलेज गोरखपुर ने 25-22-19 अंक बनाए। दो सेट से आजमगढ़ ने मैच जीत लिया। स्पोर्ट्स कॉलेज गोरखपुर व एनई रेलवे गोरखपुर के बीच खेला गया। एनई रेलवे गोरखपुर ने 25-25 अंक हासिल किया, जबकि स्पोर्ट्स कॉलेज गोरखपुर ने 20-20 अंक हासिल किया। एनई रेलवे गोरखपुर ने दोनों सेट में जीत दर्ज की। प्रतियोगिता का उद्घाटन पूर्व विधायक दिग्विजयनारायण उर्फ जय चौबे ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया।

अनाथ बच्चों की जिम्मेदारी उठाएगी सरकार

बस्ती(उत्तरशक्ति)। अनाथ बच्चों की जिम्मेदारी सरकार उठाएगी। इसके लिए महिला एवं बाल कल्याण मंत्रालय ने मिशन वात्सल्य अंब्रेला योजना शुरू की है। इस योजना के तहत अनाथ बच्चों का भरण-पोषण किया जाएगा। महिला कल्याण विभाग की ओर से मिशन वात्सल्य के तहत प्रवर्तकता (स्पॉन्सरशिप) योजना में बच्चों का चयन करने के लिए डीएम अंद्रा वामसी की ओर से सभी एसडीम, डीआईओएस, बीएसए, जिला कार्यक्रम अधिकारी व सभी ब्लॉक बीडीओ को पत्र जारी किया है। योजना के तहत ऐसे बच्चों को शामिल किया जाएगा।जिनकी मां विधवा या तलाकशुदा है, बच्चे अनाथ है और विस्तारित परिवार के साथ रह रहे हो, माता-पिता या उनमें से कोई एक असाध्य, गंभीर, जानलेवा रोग से ग्रसित व संक्रमित है। माता-पिता आर्थिक, शारीरिक व मानसिक रूप से देखभाल करने में असमर्थ है। इसके अलावा माता-पिता या उनमें से कोई एक जेल में है।उनको सहायता और पुनर्वास की आवश्यकता है। इन्हीं गरीब परिवार के बच्चों को योजना में शामिल किया जाएगा। प्रशासनिक स्तर पर जारी पत्र के मुताबिक पात्र बच्चों को एक से 18 साल की आयु तक सहायता दी जाएगी। योजना में चयनित बच्चों को हर महीने चार हजार रुपये सरकार की तरफ से दिया जाएगा। जिला प्रोबेशन अधिकारी अनुपम यादव ने बताया कि योजना को क्रियान्वयन करने के लिए अधिक से अधिक प्रचार प्रसार कराया जा रहा है। पात्र बच्चों का चयन कर सत्यापन के लिए मूल पत्रावली जिला प्रोबेशन कार्यालय में जमा करना अनिवार्य किया गया है। आवेदन के साथ आधार कार्ड, आय प्रमाण पत्र, मृत्य प्रमाण पत्र, आयु प्रमाण पत्र, शिक्षण संस्थान में पंजीयन प्रमाण पत्र संलग्न करना होगा।

भाजपा वसई रोड शहर मंडल की कार्यकारिणी बैठक संपन्न

वसई रोड। भारतीय जनता पार्टी वसई रोड शहर मंडल की कार्यकारिणी बैठक 26 नवंबर को संघवी हॉल वसई पश्चिम में आयोजित की गई थी। बैठक में भारतीय जनता पार्टी महाराष्ट्र क्षेत्र सचिव रानीताई द्विवेदी, 133 वसई विधानसभा प्रमुख मनोज पाटिल, वसई विरार शहर जिला महासचिव उपस्थित थे। मंच पर अभय कक्कड़, वरिष्ठ भाजपा नेता शेखर.धुरी, सोशल मीडिया के गोपी मेनन, वरिष्ठ नेता सुधाकर भानुशाली, वसई रोड नगर परिषद अध्यक्ष महेश सरवणकर और अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे। वहीं, वसई रोड नगर परिषद के जिला पदाधिकारी, मंडल पदाधिकारी, सभी मोर्चों और गठबंधनों के पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद थे. इस अवसर पर 26/11 के कायरतापूर्ण हमले में शहीद हुए पुलिस अधिकारियों और निर्दोष नागरिकों को श्रद्धांजलि दी गई। तत्पश्चात 26 नवंबर संविधान दिवस के अवसर पर संविधान प्रस्तावना की पूजा की गई और सामूहिक रूप से संविधान प्रस्तावना का पाठ किया गया। अध्यक्षता अनुसूचित जाति मोर्चा अध्यक्ष अर्जुन इंगोले ने की. संगठनात्मक संरचना की दृष्टि से एवं पार्टी संगठन के विकास हेतु मंच पर उपस्थित महानुभावों ने बहुमूल्य मार्गदर्शन दिया। इस समय भाजपा में कई नए कार्यकर्ता पार्टी में शामिल हुए। वसई रोड नगर परिषद में नए नियुक्ति पत्र श्रीमती रानी दिवेदी द्वारा वितरित किए गए। कार्यक्रम का संचालन महासचिव बाला सावंत ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन महासचिव दीपक शर्मा ने किया. उक्त कार्यकारिणी बैठक में वरिष्ठ नेता शेखर दादा धुरी, मंडल सचिव संजय मझगांवकर, युवा मोर्चा अध्यक्ष कल्पेश पांडे ने बहुमूल्य सहयोग प्रदान किया।

बिड़ला कॉपोरेशन लिमिटेड की वार्षिक रिपोर्ट 2022-23 ने पीआरएसआई राष्ट्रीय पुरस्कार जीता

पटना(उत्तरशक्ति)। बिड़ला कॉपोरेशन लिमिटेड (एमपी बिड़ला समूह) ने अंतर्राष्ट्रीय जनसंपर्क महोत्सव में अपनी वार्षिक रिपोर्ट 2022-23 के लिए पब्लिक रिलेशंस सोसाइटी ऑफ इंडिया (पीआरएसआई) का राष्ट्रीय पुरस्कार 2023 (द्वितीय पुरस्कार) जीता। यह कार्यक्रम डॉ. भीम राव अंबेडकर इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर, जनपथ, नयी दिल्ली में आयोजित हुआ। इसने अपनी वार्ली-कला थीम वाली वार्षिक रिपोर्ट अवधारणा के लिए पुरस्कार जीता। वरली कला भारत की चित्रकला की सबसे पुरानी विधाओं में से एक है, जिसके बारे में कहा जाता है कि यह 10वीं शताब्दी ई.पू. की है। उत्तरी सह्याद्रि रेंज के जनजातीय लोगों में पारंपरिक रूप से प्रचलित यह कला प्रकृति के तत्वों और मिट्टी के रंगों को ज्यामितीय व्यवस्था के साथ जोड़ती है। वरली वास्तव में महाराष्ट्र और भारत की महान विरासतों में से एक है। पारंपरिक शैली को ध्यान में रखते हुए, वरली चित्र अनौपचारिक और लचीले होते हैं, जबकि इनमें नरम ताकत का तत्व होता है। बिड़ला कॉपोरेशन लिमिटेड के एमडी और सीईओ संदीप घोष ने कहाः ह्लइस बार कंपनी को वार्षिक स्थापित क्षमता के साथ मुकुटबन, यवतमाल जिले, महाराष्ट्र में हमारे नवीनतम ग्रीन-फील्ड एकीकृत सीमेंट विनिर्माण संयंत्र के नजरिये से पेश करने का प्रयास किया गया था। जो 3.9 मिलियन टन सालाना क्षमता वाला है और इसे 2,744 करोड़ रुपये की लागत से बनाया गया है। चूंकि मुकुटबन महाराष्ट्र में है इसलिए हमने महाराष्ट्रीयन कला विरासत को दशार्ते हुए वरली कला मार्ग को चुना है।''

ज्ञानवापी सर्वे रिपोर्ट सौंपने के लिए एएसआई ने तीन सप्ताह का मांगा, अगली सुनवाई बुधवार को

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने ज्ञानवापी मस्जिद परिसर की वैज्ञानिक सर्वेक्षण रिपोर्ट जमा करने के लिए मंगलवार को अदालत से तीन सप्ताह का और समय मांगा। इस पर अदालत ने अगली सुनवाई के लिए 29 नवंबर की तारीख तय की। हिंदू पक्ष के अधिवक्ता मदन मोहन यादव ने बताया कि वाराणसी की जिला अदालत ने ज्ञानवापी मस्जिद परिसर की सर्वेक्षण रिपोर्ट जमा करने के लिए एएसआई को 28 नवंबर तक का समय दिया था। लेकिन मंगलवार को एएसआई ने इसके लिए तीन सप्ताह का और समय मांगा। उन्होंने बताया कि अदालत ने समय विस्तार के अनुरोध पर सुनवाई के लिए 29 नवंबर की तारीख तय की है। एएसआई ने मंगलवार को दिए अपने आवेदन में कहा कि उसके विशेषज्ञ पुरातत्वविदों, पुरालेखविदों, सर्वेक्षणकताओं, भूभौतिकी विशेषज्ञों आदि द्वारा एकत्र किए गए विभिन्न प्रकार के आंकड़ों को संग्रहीत करने की दिशा में काम कर रहे हैं।

बरेका निर्मित 10,000वें रेल इंजन राष्ट्र को समर्पित

सुरेश गांधी

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। बनारस रेल इंजन कारखाना के न्यू लोको टेस्ट शॉप में मंगलवार को महाप्रबंधक बासुदेव पांडा ने पुष्पों से सुसज्जित बरेका निर्मित 10,000वें लोको डब्ल्यूएपी का वैदिक मंत्रोंचार के बीच नारियल तोड़ा और हरी झण्डी दिखाकर राष्ट्रों को समर्पित किया। साथ ही महाप्रबंधक ने इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर बरेका अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई देते हुए कहा कि यह कीर्तिमान हमारे अधिकारियों एवं कर्मचारियों के मेहनत तथा कार्यकुशलता का परिणाम है। बनारस रेल इंजन कारखाना, जिसे पहले डीजल रेल इंजन कारखाना के नाम से जाना जाता था, ने एलसीओं लोको तकनीक पर आधारित पहला लोकोमोटिव तैयार करके अपनी यात्रा शुरू कर न केवल रेल इंजनों के उत्पादन में कीर्तिमान स्थापित किया है, बल्कि रेल इंजनों की अश्व शक्ति में वृद्धि के साथ ही नयी-नयी तकनीक का भी विकास किया है । वर्ष 2017 से बरेका ने विद्युत लोको का निर्माण शुरू किया। वर्तमान में बरेका रेलवे के लिए यात्री सेवा हेतु डब्ल्यूएपी-7 और मालवाहक हेतु डब्ल्यूजी-9 इंजनों के निर्माण के साथ ही गैर रेलवे ग्राहकों एवं निर्यात के लिए रेल इंजन का उत्पादन कर रहा है। उन्होंने बताया कि अब तक बरेका 1687 विद्युत लोकोमोटिव, 7498 डीजल लोकोमोटिव, 172 निर्यातित लोकोमोटिव, गैर रेलवे ग्राहक हेतु 634 लोकोमोटिव, 01 डुएल (डीजल$विद्युत) मोड लोकोमोटिव, 08 डीजल से इलेक्ट्रिक में परिवर्तित लोकोमोटिव का निर्माण किया है। बता दें, बरेका की नीव प्रथम राष्ट्रपति डा. राजेन्द्र प्रसाद ने 23 अप्रैल 1956 को रखी गयी थी। अगस्त 1961 में बरेका अपने अस्तित्व में आया। 03 जनवरी 1964 में पहला ब्राड गेज डब्ल्यूडीएम-2 का लोकार्पण पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादूर शास्त्री ने एवं नवम्बर 1968 में पहले मीटर गेज रेल इंजन वाईडीएम-4 का लोकार्पण पूर्व प्रधानमंत्री श्री मोरारजी देसाई ने किया था। बरेका ने अपनी स्थापना से लेकर अब तक 10,000 रेल इंजन बनाकर एक इतिहास रचा है ।

मिर्गी के प्रबंधन के लिये महत्वपूर्ण है स्वस्थ जीवनशैली : डॉ शेखर कुमार

पटना। एक सामान्य दिखने वाले व्यक्ति पर जब अकारण दौरे पड़ने लगते हैं, तब उसे मिर्गी का नाम दिया जाता है। दरअसल, मिर्गी बिना वजह दौरे पड़ने की प्रवृति है, जिससे दुनिया भर के लगभग 65 मिलियन लोग प्रभावित हैं। चिकित्सकीय दुनिया में इसे एपिलेप्सी के नाम से जाना जाता है। यह चौथी सबसे आम तंत्रिका संबंधी बीमारी है, जो बच्चों से लेकर बूढ़ों तक किसी भी उम्र के व्यक्ति के जीवन को प्रभावित कर सकती है। मिर्गी के दौरे आने पर अचानक पीड़ित सोचने-समझने की शक्ति खो देता है, उसके मांसपेशियों में ऐंठन होने लगती हैं। कई बार दौरे आने पर व्यक्ति गिर जाता है, उसके शरीर में करंट यानि झटके आने लगते हैं, और मुंह से झाग निकलता है। यह स्थिति पीड़ित को न के केवल उसके स्वास्थ्य बल्कि उसकी सामाजिक छवि को भी हानि पहुंचा सकता है। मिर्गी के बढ़ते मामले को देखते हुए जागरूकता के लिये हर साल 17 नवंबर को नेशनल एपिलेप्सी डे मनाया जाता है। इस बारे में डॉ शेखर कुमार कहते हैं कि व्यक्ति का दिमाग संपूर्ण शरीर को नियंत्रित करता है, इसलिये दिमाग से जुड़े इस विकार का उचित उपचार आवश्यक है। निदान के लिये सबसे पहले मिर्गी के प्रकार के बारे में बारे में पता करने की जरूरत होती है। ज्यादातर रोगी दवा से दौरे पर नियंत्रण पा लेते हैं, लेकिन कई बार दवा बेअसर होने पर शल्य उपचार को विकल्प के रूप में देखा जाता है। डॉ. शेखर के अनुसार मिर्गी के प्रबंधन के लिये जीवनशैली में परिवर्तन की अहम भूमिका है। इसके अंतर्गत अच्छी नींद लेना, नियमित रूप से ध्यान और गहरी सांस लेने जैसे व्यायाम के जरिये खुद को तनाव मुक्त करना आदि शामिल करने से असमय दौरे पर नियंत्रण लाया जा सकता है। इसके साथ ही भोजन में संतुलित आहार का बहुत महत्व है। इसका सेवन करने से व्यक्ति न केवल पोषित रहता है, बल्कि हाइड्रेटेड रहने से व्यक्ति की कार्यप्रणाली स्थिर रहती है। इसके अलावा, मिर्गी प्रबंधन में स्वस्थ जीवनशैली का पालन करने के साथ-साथ चिकित्सक द्वारा समय निर्देशित दवा लेना भी समान रूप से आवश्यक है। ध्यान रखें कि मिर्गी प्रबंधन के लिये स्वयं कोई बदलाव न करें बल्कि अनुभवी चिकित्सक से सलाह का पालन करें।

भाजपा द्वारा दीपावली मिलन समारोह संपन्न

वसई रोड। रविवार के दिन वसई रोड में भाजपा द्वारा दीपावली मिलन समारोह आयोजित किया गया। वसई विधान सभा अध्यक्ष और वसई मंडल अध्यक्ष महेश सरवनकर द्वारा सांगवी हॉल में आयोजित इस कार्यक्रम में नवीन वर्ष की सुभेच्छा दिया और नई नियुक्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। जिसमे दुर्लभ को वसई शहर मंडल सचिव की नियुक्ति पत्र देकर सम्मानित किया। सभी पदाधिकारी कार्यकर्ता को दुर्लभ ने बताया कि पार्टी का काम और लोगो का काम तन मन से करेगे। इस कार्यक्रम में बाला सावंत, अभय काकड़, अर्जुन इंगोले, विशेष मेहमान उद्योग पति भाजपा वरिष्ठ नेता शेखर धुरी दादा ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाया। वसई विधानसभा अध्यक्ष मनोज पाटिल ने सभी को दीपावली के बाद कैसे पार्टी का काम करना उसके लिए मार्गदर्शन दिया।

यूपी बोर्ड परीक्षा केंद्रों को लेकर आई 142 आपत्तियां

आजमगढ़(उत्तरशक्ति)। यूपी बोर्ड परीक्षा 2024 के लिए केंद्रों की सूची बृहस्पतिवार को माध्यमिक शिक्षा परिषद की वेबसाइट पर अपलोड कर दी गई। इस बार 251 परीक्षा केंद्रों का ऑनलाइन चयन बोर्ड द्वारा किया गया है। सूची में 12 राजकीय, 85 एडेड, 154 वित्तविहीन विद्यालय शामिल हैं। डीआईओएस ने जिले की एनआईसी वेबसाइट पर सूची को अपलोड करा दिया है। 2024 की बोर्ड परीक्षा में जिले से हाईस्कूल के 93,521 व इंटरमीडिएट के 84,190 विद्यार्थी शामिल होंगे। इस बार जिले में कुल 1,77,711 विद्यार्थी परीक्षा देंगे। डीआईओएस मनोज कुमार मिश्रा ने बताया कि जिले के छात्र, अभिभावक, प्रधानाचार्य व प्रबंधक परीक्षा केंद्रों को लेकर 29 नवंबर की रात 12 बजे तक आपत्ति दर्ज करा सकते हैं। परीक्षा केंद्रों पर आपत्तियों के लिए प्रारूप तैयार किया गया है।

मछिंद्रनाथ म्हात्रे का दुखद निधन

नवी मुंबई। नवी मुंबई में घनसोली के संस्थापक अध्यक्ष और घनसोली गांव के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता मच्छिंद्रनाथ लक्ष्मण म्हात्रे (उम्र-84) का छोटी बीमारी के कारण हाल ही में निधन हो गया। . उनके परिवार में पत्नी, चार बेटे, दो बेटियां, बहू, दामाद और पोते-पोतियां हैं। अपने शुरूआती वर्षों में, म्हात्रे ने पच्चीस वर्षों तक ग्राम पंचायत सदस्य और पांच वर्षों तक उप-सरपंच के रूप में काम किया। वह नवी मुंबई किसान शिक्षा संस्थान के संस्थापक कार्यकारी सदस्य और पूर्व उपाध्यक्ष थे। औद्योगिक सहकारी समिति, वरिष्ठ नागरिक सेवा संस्था, भाईंदर राशनिंग सेवाभावी संस्था।, म्हात्रे कुलदैवत सेवाभावी संस्था, के साथ साथ वे कई संगठनों के संस्थापक और अध्यक्ष के रूप में जिम्मेदार थे। तकनीकी शिक्षा के लिए एमआईडीसी का अनुसरण करना और औद्योगिक संस्थान स्थापित करना। उनके सांस्कृतिक कार्यों के कारण, नवी मुंबई में उच्च शिक्षा वाली एक पीढ़ी तैयार हुई है। उनके सबसे बड़े बेटे घनश्याम म्हात्रे सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट और प्रबंधन सलाहकार हैं। उनके एक पोते न्यूरो सर्जन हैं और दूसरे पोते ने एमटेक, बीटेक, इंजीनियर और मैनेजमेंट की पढ़ाई की है। स्वर्गीय मछिंदरनाथ की अंतिम यात्रा में विधायक रमेशदादा पाटिल और विभिन्न क्षेत्रों के कई गणमान्य लोग मौजूद थे। मच्छिंद्रनाथ म्हात्रे की शोक सभा मंगलवार 28 नवंबर को शाम 5 बजे घनसोली में वरिष्ठ नागरिक सेवा संगठन की ओर से सनशाइन हाइट्स कंपनी में आयोजित की गई है!

पटना के गाँधी मैदान में दिखेगा विश्व प्रसिद्ध जादूगर शंकर सम्राट के जादू का रहस्यमयी मायाजाल

पटना(उत्तरशक्ति)। जादू के हैरतअंगेज कारनामों से सबको रोमांचित करने के लिए पटना में विश्व प्रसिद्ध जादूगर शंकर सम्राट के मैजिक शो का आयोजन होने जा रहा है। 29 नवंबर से शुरू हो रहे इस शो का आयोजन पटना के गाँधी मैदान गेट नंबर - 7 के पास एक महीने तक किया जाएगा। मंगलवार को आयोजित प्रेस वार्ता को सम्बोधित करते हुए जादूगर शंकर सम्राट ने बताया कि यह बिहार का अब तक का सबसे बड़ा मैजिक शो होगा जहां दर्शकों को आधुनिक तकनीक से हैरतअंगेज जादू और रोमांचकारी खेल देखने को मिलेगा। उन्होंने कहा कि इस मजिक शो के माध्यम से लोगों का मनोरंजन करने के साथ हम सामाजिक कुरुतिओं को दूर करने का संदेश भी देंगे। यह 6000 सेकंड्स का जादुई थ्रिल पैक शो है जो पूरे परिवार का भरपूर मनोरंजन करेगी। उन्होंने कहा कि जादू वही होता है जो दर्शकों के सिर चढ़कर बोले, जिसका हर सेकंड रहस्य, रोमांच, और सनसनी के साथ हर पल हंसी ठहाकों तथा गीत संगीत व जादुई नृत्य से सराबोर हो। जादूगर शंकर सम्राट ने बताया कि रोजाना तीन शो होगा जो दोपहर 1 बजे, शाम 4 बजे और शाम 6 : 30 चलेगा। मैजिक शो के लिए जनरल टिकट 150 रुपये , सिल्वर टिकट 250 रुपये, गोल्ड टिकट 400 रुपये और डायमंड टिकट 500 रुपये रखा गया है। प्रेस वार्ता में जादूगर शंकर सम्राट के टीम के प्रबंधक सुदर्शन पांडेय सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे।